अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947
P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

HUMAN RIGHTS FOUNDATION
सत्यमेव जयते
मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह | वर्ष- 15 | अंक- 44 | सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 25 सितंबर से 01 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ - 8 | ₹ 2/-

त्रिपुरा उग्रवाद मुक्त घोषित हुआ, 500 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

अगरतला। त्रिपुरा में प्रतिबंधित समूह नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स के करीब 500 उग्रवादियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा के समक्ष अपने हथियार डाले। सिपाहीजाला जिले के जम्पुइजाला में एक कार्यक्रम में उग्रवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए साहा ने कहा कि उग्रवाद किसी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने बड़ी संख्या में उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के बाद इस पूर्वोत्तर राज्य को पूरी तरह से उग्रवाद से मुक्त घोषित किया। साहा ने कहा केंद्र और राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं शुरू कर स्वदेशी लोगों के सम्पूर्ण विकास के लिए काम करती रही है। मैं हिंसा का रास्ता छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने वाले लोगों का स्वागत करता हूं। इस दौरान उग्रवादियों ने अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र सौंप दिए। उग्रवादियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में चार सितंबर को दिल्ली में केंद्र तथा राज्य सरकार के साथ हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आत्मसमर्पण किया है। केंद्र ने दोनों समूहों के उग्रवादियों के पुनर्वास के लिए 250 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स के बीच समझौते पर हस्ताक्षर के साथ त्रिपुरा ने शांति और समृद्धि की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। उन्होंने यह भी कहा था कि यह त्रिपुरा में लगभग 35 साल से चल रहे उग्रवाद का अंत है। उल्लेखनीय है कि NLFT और ATTF संगठन काफी समय से त्रिपुरा राज्य में सक्रीय थे और यहां कोहराम मचा रहे थे। इन दोनों संगठनों के सदस्यों ने लगभग दो दशकों तक त्रिपुरा में अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जिससे यहां बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए। गैर-आदिवासी लोग इससे ज्यादा प्रभावित हुए।

धर्म विरोधियों पर धीरेंद्र शास्त्री का करारा प्रहार

छतरपुर, वक्फ बोर्ड और तिरुपति मंदिर के प्रसाद को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने चौंका देने वाला बयान दिया है. उन्होंने वक्फ बोर्ड पर बड़ा सवाल उठाया.. पूछा कि अगर वक्फ बोर्ड हो सकता है तो सनातन हिंदू बोर्ड क्यों नहीं हो सकता है? उन्होंने आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी के मामले पर भी बयान दिया. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जिन हिंदुओं ने बालाजी का प्रसाद लिया वो 9 दिनों तक प्रायश्चित करें.. जिससे शुद्धिकरण की प्रक्रिया हो सके. मध्य प्रदेश के छतरपुर के प्रसिद्ध बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का बयान सामने आया है. उन्होंने छतरपुर में अपने अनुयायियों के सामने कहा कि हमें सूचना मिली कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जैन बोर्ड की चर्चा की है. ऐसे में भारत सरकार से चाहेंगे कि जब देश में वक्फ बोर्ड हो सकता है तो सनातन हिंदू बोर्ड क्यों नहीं हो सकता है? बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि षड़यंत्र और प्रपंच रचने वाले सभी ताकतों पर रोक लगाकर हिंदू बोर्ड बनाए जाने की हम पूर्ण रूप से मांग कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि हिंदुओं की सहनशीलता देखकर हमारा खून उबाल मार रहा है कि हम लोगों के सामने कुछ लोग कितने बड़े-बड़े प्रपंच रच रहे हैं. इसके अलावा धीरेंद्र शास्त्री ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने के विवाद को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि जिन हिंदुओं ने तिरुपति बालाजी का प्रसाद लिया वो नौ दिनों तक प्रायश्चित करें ताकि शुद्धिकरण की प्रक्रिया हो सके.उन्होंने कहा कि अगर धर्म विरोधियों के खिलाफ अभी आवाज नहीं उठाई गई तो आने वाले समय में सबके घरों में मछली का तेल परोसने से कोई नहीं रोक सकता. अगर घरों में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल पहुंचने से खुद को बचाना है तो रील और वीडियो की दुनिया से बाहर आना होगा. अगर हम सनातन के खिलाफ चलाए जा रहे षडयंत्र और प्रपंच का डटकर मुकाबला नहीं करेंगे तो धर्म विरोधी षडयंत्र का शिकार होते रहेंगे. बता दें कि हाल ही में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल का प्रकरण सामने आया था. इस विवाद को लेकर देशभर में सियासत तेज हो गई थी. आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने राष्ट्रीय स्तर पर सनातन रक्षक बोर्ड बनाने की मांग की थी.

अब कृषि कानूनों पर बोलकर घिरीं कंगना, बीजेपी ने फिर फटकारा तो मांगी माफी

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद कंगना रनौत को महीने भर में दूसरी बार फजीहत झेलनी पड़ी है. कृषि कानूनों से जुड़े उनके बयान से बीजेपी ने किनारा कर लिया है. खुद कंगना ने भी कहा कि यह उनकी निजी राय है और पार्टी का इससे लेना-देना नहीं. पार्टी से फिर फटकार लगने के बाद कंगना ने एक वीडियो संदेश जारी किया है. कंगना कह रही हैं कि उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि वे सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता भी हैं. बीजेपी सांसद ने कहा कि हम सब कार्यकर्ताओं का कर्तव्य बनता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात का सम्मान रखें. कंगना ने कहा कि मेरे बयान अपने नहीं होने चाहिए वह पार्टी का स्टैंड होना चाहिए. उन्होंने वीडियो में कहा अगर किसी को मेरे बयानों से ठेस पहुंची है तो मैं खेद जाहिर करती हूं. आई टेक माय वर्ड्स बैक! कंगना रनौत ने साफ किया किया कि उनके विचार निजी थे और वह पार्टी के रुख का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं. कंगना रनौत ने वीडियो संदेश में कहा पिछले कुछ दिनों में मीडिया ने मुझसे किसान कानून पर कुछ सवाल पूछे और मैंने सुझाव दिया कि किसानों को प्रधानमंत्री मोदी से किसान कानून वापस लाने का अनुरोध करना चाहिए. मेरे इस बयान से कई लोग निराश और हताश हैं. जब किसान कानून प्रस्तावित किया गया था, तो हममें से कई लोगों ने इसका समर्थन किया था लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने बड़ी संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ इसे वापस ले लिया और हम सभी कार्यकर्ताओं का यह कर्तव्य है कि हम उनके शब्दों की गरिमा का सम्मान करें. मुझे भी यह ध्यान रखना होगा कि मैं अब कलाकार नहीं हूं, मैं भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता हूं और मेरी राय मेरी अपनी राय न होकर पार्टी का रुख होनी चाहिए. इसलिए अगर मेरी बातों और मेरी सोच से किसी को निराशा हुई है तो मुझे खेद रहेगा और मैं अपने शब्द वापस लेती हूं. कंगना ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा था, मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है, लेकिन तीनों कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए.

बंद होना चाहिए NRI कोटे का बिजनेस

नई दिल्ली। पंजाब में मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश के एनआरआई कोटे का दायरा बढ़ाने के तय मानकों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सवाल उठाते हुए तीखी टिप्पणियां कीं और इसे धोखाधड़ी करार दिया। कोर्ट ने एनआरआई कोटे का लाभ लेने के लिए तय शर्तों को देखकर कहा कि यह पूरी तरह फ्राड (धोखाधड़ी) है, अब यह बंद होना चाहिए। कोर्ट ने कहा इससे बैक डोर एंट्री को रास्ता मिलता है। इसने देश की शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता कमजोर की है। यह और कुछ नहीं, पैसा बनाने का जरिया है। इन तीखी टिप्पणियों के साथ शीर्ष अदालत ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का आदेश सही ठहराते हुए पंजाब सरकार की याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने 11 सितंबर को एनआरआई कोटे का दायरा बढ़ाने की पंजाब सरकार की अधिसूचना रद कर दी थी। पंजाब सरकार ने 20 अगस्त को अधिसूचना जारी कर मेडिकल में प्रवेश के लिए 15 प्रतिशत एनआरआई कोटे की परिभाषा का विस्तार कर दिया था। उसमें एनआरआई के रिश्तेदार, जैसे चाचा, चाची, दादा, दादी, नाना, नानी, चचेरे भाई आदि को भी शामिल कर दिया था।

मंगलवार को जब मामला सुनवाई पर आया तो जस्टिस चंद्रचूड़ ने एनआरआई की विस्तारित परिभाषा देखकर कहा कि यह क्या है? इसमें नजदीकी रिश्तेदारों पर भी विचार करने की बात है, यह तो बहुत अस्पष्ट चीज है। यह सिर्फ पैसा बनाने की मशीन है। हमें अब इस एनआरआई कोटा बिजनेस को बंद कर देना चाहिए। यह पूरी तरह धोखाधड़ी है। उनके मुवक्किल के 636 अंक आए हैं व उसे एडमिशन नहीं मिला, जबकि इस कोटे में लगभग 250 अंक पाने वाले को एडमिशन मिला है। वहीं दूसरे पक्ष के वकील ने विस्तारित कोटे को जायज ठहराने की कोशिश की, लेकिन पीठ संतुष्ट नहीं हुई।

आपकी सुरक्षा मेरी गारंटी-अश्विनी वैष्णव
ट्रेन पलटाने की साजिश होगी नाकाम!

जयपुर। राजस्थान, कानपुर और गुजरात समेत देशभर में ट्रेन पलटाने की साजिशों को नाकाम करने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कई राज्यों के अधिकारियों और पुलिस के साथ बातचीत की। रेल मंत्री ने जयपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार सुरक्षा के मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेती है। ट्रेनों में तोड़फोड़ और उन्हें पलटाने की साजिश रचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभी 22 सितंबर को ही एक ऐसा केस सामने आया, जब रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर पाया गया था। ट्रेन के चालक की सूझबूझ के चलते बड़ा हादसा टल गया और ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए थे। यह ट्रेन कानपुर से प्रयागराज जा रही थी। ऐसा ही एक मामला कानपुर में ही 15 सितंबर को भी सामने आया था। तब किसी ने कालिंदी एक्सप्रेस के सामने सिलेंडर और कुछ अन्य आपत्तिजनक चीजें रख दी थीं।

तिरुपति के भक्तों पर नहीं दिखा प्रसाद विवाद का असर

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू विवाद पर आंध्र प्रदेश समेत पूरे देश में सियासी घमासान मचा है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के दो दिग्गज प्रकाश राज और अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण भी इस मुद्दे पर आमने-सामने हो चुके हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने एक स्वतंत्र समिति से जांच की मांग भी की। मगर इस विवाद का श्रद्धालुओं पर खास असर नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि लड्डू विवाद अब बीती बात हो गई है। तिरुपति मंदिर में लड्डू की बिक्री पहले की तरह जारी है। मंदिर में रोजाना औसतन 3.50 लाख लड्डू की बिक्री होती है। चार दिनों में 14 लाख से अधिक लड्डू बिक चुके हैं। तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में पशु चर्बी होने का आरोप आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लगाया था। उन्होंने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना भी साधा था। प्रदेश सरकार ने मामले की जांच कराई और लैब रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि होने की बात कही। चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने लड्डू में घटिया सामग्री और पशु वसा के इस्तेमाल की इजाजत दी थी। उन्होंने आगे यह भी कहा कि अब शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि जगन मोहन रेड्डी ने नायडू पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

अभी विदा नहीं हुआ है मानसून, पहाड़ों से मैदानों तक बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ों में कमजोर पड़े मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ जिलों में दो दिन भारी वर्षा की चेतावनी दी है। हिमाचल में इस बार मानसून सक्रिय होने के बाद बीच में कमजोर पड़ गया था। हालांकि, अगस्त में सर्वाधिक वर्षा हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव का कहना है कि प्रदेश से मानसून सामान्य तौर पर 24 सितंबर तक लौट जाता था, लेकिन अभी ऐसा नहीं लग रहा है। अब भी राजस्थान के कुछ भागों से मानसून के तहत वर्षा होने की स्थिति बनी है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश में मानसून जाने में कुछ समय लग सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 27 सितंबर के बाद मौसम फिर साफ होगा। इससे पहले 2019 में 11 अक्टूबर को मानसून की वर्षा पूरी तरह से बंद हुई थी। फिलहाल अभी छह अक्टूबर तक मानसून जाने के संकेत नहीं हैं। भले ही मानसून की अवधि इस वर्ष लंबी जा रही है, लेकिन प्रदेश में वर्षा सामान्य से 20 प्रतिशत कम हुई है। उत्तराखंड में एक सप्ताह से मौसम शुष्क है और पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। हालांकि आज मंगलवार से मौसम ने करवट ली है। देहरादून समेत पर्वतीय जिलों में दोपहर बाद वर्षा हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक बादल मंडराने के आसार हैं। कुमाऊं मंडल के पर्वतीय जिलों में गरज-चमक के साथ तेज वर्षा हो सकती है। इसे लेकर कुमाऊं मंडल में यलो अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून में हल्की वर्षा के आसार हैं। हिमाचल में पांच दिन से वर्षा नहीं हुई है। इसके चलते निचले व मध्यम ऊंचाई वाले स्थानों पर अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। प्रदेश के 10 स्थानों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

हिज्ब-उत-तहरीर संगठन के खिलाफ NIA का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, भारत में इस्लामिक राष्ट्र का सपना देखने वाले कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ एनआईए, जगह-जगह तलाशी अभियान चला रही है. अभी तक तमिलनाडु में एनआईए ने कम से कम 11 जगहों पर छापेमारी की है. इसमें हिज्ब-उत-तहरीर संगठन द्वारा इस्लामी शासन स्थापित करने की साजिश के तहत चलाए जा रहे एक विभाजनकारी प्रचार अभियान का मामला सामने आया है. एनआईए की टीमों ने तांबरम, चेन्नई, कन्याकुमारी जैसे जिलों में संदिग्धों के घरों पर तलाशी अभियान चलाया और कई गैर-कानूनी सामग्री जब्त की, जिसमें डिजिटल उपकरण, बिना हिसाब की नकदी और हिज्ब-उत-तहरीर से संबंधित साहित्य शामिल हैं. एनआईए की जांच में यह सामने आया है कि मुख्य साजिशकर्ता हामिद हुसैन ने पांच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर गुप्त बैठकों का आयोजन किया था, जिनका उद्देश्य हिज्ब-उत-तहरीर की भारत-विरोधी विचारधारा को बढ़ावा देना था. एनआईए की अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपी और कई अन्य समूहों ने तमिलनाडु में इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए अभियान चलाए थे. और देश की संप्रभुता और अखंडता को बाधित करने वाली गतिविधियों में शामिल थे. अभी तक इस मामले की जांच जारी है. और तलाशी के दौरान जब्त की गई सामग्रियों की जांच की जा रही है.हिज्ब-उत-तहरीर की स्थापना 1952 में यरूशलम में हुई थी. इसका मुख्यालय लंदन में है और इसका नेटवर्क यूरोप और दक्षिण एशिया में अधिक फैला हुआ है. विशेष रूप से, इसकी पकड़ इंडोनेशिया में अधिक है. इस संगठन का उद्देश्य इस्लामी राष्ट्र की स्थापना करना और नास्तिक विचारों को खत्म करना है. यह संगठन युवाओं का ब्रेनवॉश करके देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल करती है. यह एक ऐसा संगठन है जो अपने अनुयायियों को वैध रूप से स्थापित लोकतांत्रिक सरकार को विभाजनकारी गतिविधियों के माध्यम से उखाड़ फेंकने के लिए उकसाता है. इसमें शामिल लोग सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से अपने कार्यों को अंजाम देते हैं और इस्लाम के खिलाफ प्रचार करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं. बताया जाता है कि दस लाख से ज्यादा लोग इससे जुड़े हुए हैं. यह संगठन चीन, रूस, जर्मनी, इंडोनेशिया, तुर्की, अरब और बांग्लादेश जैसे देशों में प्रतिबंधित है.

कचरे से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़कें

नई दिल्ली, कूड़े में से बड़ी मात्रा में निकलने वाली मिट्टी का प्रयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में करने के साथ ही राज्यों से भी कहा है कि वह भी सड़कों के निर्माण में इसका प्रयोग कर सकते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से जुड़ी सभी संस्थाओं के साथ ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सभी राज्यों को भी गाइडलाइन जारी कर दी है। इसी के तहत फिलहाल शहरों से निकलने वाले ठोस अपशिष्ट के सड़क निर्माण में प्रयोग के लिए गाइडलाइन बना ली गई है। सरकार का आकलन है कि वर्तमान में लगभग 1700 लाख टन कूड़ा 2304 लैंडफिल साइटों पर इकट्ठा है। इसकी वजह से करीब 10 हजार हेक्टेयर जमीन घिरी हुई है। इसे देखते हुए ही गति शक्ति अभियान के तहत हाईवे निर्माण को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 से जोड़ा गया है। राज्यों से इस व्यवस्था को अमल में लाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए भी कहा गया है।

रोक के बाद भी क्यों जलाई जा रही पराली, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली के पड़ोसी राज्य पंजाब में जलाई जा रही पराली का धुंआ दिल्ली की आबोहवा खराब करने भले ही अभी दिल्ली न पहुंचा हो लेकिन पराली जलने का मामला जरूर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पराली जलने का मामला उठा। शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से पराली जलने से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए किये जा रहे उपायों पर जवाब मांगा है। पूछा है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कोर्ट मामले पर शुक्रवार को फिर सुनवाई करेगा। मंगलवार को वायु प्रदूषण मामले में कोर्ट की मददगार न्यायमित्र वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने न्यायमूर्ति अभय एस ओका और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ के समक्ष पराली जलने का मामला उठाया। अपराजिता ने कहा कि पराली जलना शुरू हो गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस पर स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए। पूछा जाए कि ऐसा क्यों हो रहा है और क्या कार्रवाई की गई है। उनकी दलीलों पर पीठ ने केंद्र सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि कोर्ट इस पर शुक्रवार तक जवाब चाहता है। भाटी ने कहा कि आवश्यक जानकारी कोर्ट को उपलब्ध कराई जाएगी। मालूम हो कि हर वर्ष दिल्ली में सर्दियां आते आते वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। इसमें पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में पराली (फसल के अवशेष) जलने से भी बढ़ोत्तरी होती है।कोर्ट ने इस संबंध में अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के उपाय करने को कहा था ताकि वायु प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान निकल सके।

संपादकीय

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं। डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फ़ीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है।

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनीधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9820361619
vinod143singh@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.

9820361619/ 9987585870

बढ़ती हुई जनसंख्या और सीमित संसाधनों का जोखिम

यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल ही हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता।

बेतहाशा बढ़ती हुई जनसंख्या आज दुनिया की सबसे बड़ी परेशानियों में से एक बन चुकी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया के कई देशों में संसाधनों का बंटवारा ठीक तरह से नहीं हो पाता है। वहीं, कई देशों में वहां की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध संसाधन अब कम पड़ने लगे हैं। जाहिर है कि यदि किसी भी देश की जनसंख्या लगातार तीव्र गति से बढ़ेगी तो उसी अनुपात में वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी बढ़ेगा। इसे भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 13 सितंबर 2024 को भारत की जनसंख्या लगभग 1,453,567,738 थी, जो विश्व की कुल जनसंख्या (लगभग 8,176,283,486) का करीब 18 प्रतिशत है। गौरतलब है कि विश्व के महज ढ़ाई प्रतिशत भूभाग पर दुनिया की कुल जनसंख्या का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा जीवन यापन करने के लिए विवश है। जरा सोचिए कि ऐसे में क्या देश में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इसी वर्ष अप्रैल के अंत में जारी संयुक्त राष्ट्र की 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' के अनुसार आज दुनिया भर के कुल 59 देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने के लिए मजबूर हैं। रपट के अनुसार युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण 2022 में 2.4 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सामग्री के अभाव में भूखे रहना पड़ा था। यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल ही हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता। गौरतलब है कि यूक्रेन और सूडान से कई देशों को गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है, तब उन आयातक देशों के निवासियों का पेट भरता है। देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की रपट इस बात की ओर भी साफ संकेत करती है कि जैसे0जैसे विश्व भर में जनसंख्या बढ़ती गई वैसे वैसे ही भूखे लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती गई। बता दें कि भोजन के अभाव को लेकर रपट जारी करने की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में की थी और 2016 की पहली रपट की तुलना में हालिया रपट में विश्व भर में भूखे लोगों की संख्या में चार गुणा की वृद्धि हो चुकी है। जाहिर है कि यदि जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया और विश्व भर में मनुष्य की आबादी इसी प्रकार लगातार और बेतहाशा बढ़ती रही तो दुनिया में भुखमरी की समस्या एक विकराल रूप ले सकती है, जिससे निपटना अत्यंत ही कठिन हो जाएगा, इसमें दो मत नहीं हो सकता, बल्कि सच कहा जाए तो उप सहारा अफ्रीका के देशों समेत कम संसाधनों वाले गरीब देशों में शायद परिस्थितियां इतनी बिगड़ जाएं कि वहां भुखमरी की समस्या से निपटना असंभव ही हो जाए।

गौर करें तो बढ़ती आबादी के कारण दुनिया भर में संसाधनों का बेतहाशा दोहन लगातार जारी है। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों यथा कोयला, तेल और प्राकृतिक गैसों आदि पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। इनके अतिरिक्त बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में सभी नागरिकों के लिए भोजन, वस्त्र, आवास, पेयजल, दवाइयां इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना भी किसी सरकार के लिए सरल कार्य नहीं है। अंग्रेजी अर्थशास्त्री थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने सन् 1798 में गणितीय रूप से भोजन और मानव जनसंख्या के बीच के संबंध को प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या वृद्धि पर एक निबंध लिखा था। अपने उस लेख में माल्थस ने तर्क दिया था कि जब भी खाद्य आपूर्ति बढ़ती है, तो जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ती है और उपलब्ध संसाधनों की प्रचुरता को समाप्त कर देती है, जिसके परिणामस्वरूप मानव पीड़ा बनी की बनी रह जाती है, जब तक कि मानव जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया जाता। तात्पर्य यह कि यदि तीव्र गति से और लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया तो वह उपलब्ध खाद्य उत्पादन की क्षमता से बहुत आगे निकल जाएगा और संसाधनों के अभाव में भुखमरी, कुपोषण, बीमारी, गरीबी एवं लाचारी जैसी समस्याएं लगातार बनी रहेंगी। देखा जाए तो माल्थस की बातों से हमने कोई सबक नहीं ली, जिसका परिणाम यह हुआ कि आज दुनिया की कुल आबादी 08 अरब से भी अधिक हो चुकी है। इसका एक दूसरा पक्ष यह भी है कि जनसंख्या बढ़ने और संसाधनों के घटने से देशों पर कर्ज का बोझ बढ़ने लगता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रपट के अनुसार सितंबर 2023 तक भारत पर कुल कर्ज का बोझ 205 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वहीं, विश्व आर्थिक मंच की 2021 में जारी एक रपट के अनुसार शिक्षा गुणवत्ता में भारत का स्थान 90वां है। जनसंख्या संबंधी संयुक्त राष्ट्र की 15 नवंबर 2022 को जारी एक रपट के अनुसार वर्ष 2050 तक एशिया महाद्वीप की आबादी लगभग पांच अरब हो जाएगी और सदी के अंत तक दुनिया की आबादी 12 अरब तक पहुंच जाएगी। रपट में यह भी बताया गया था कि 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जबकि संयुक्त राष्ट्र की रपट के आकलन को झुठलाते हुए अप्रैल 2023 में ही चीन को पछाड़कर भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। फरवरी 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने ही अपनी एक और रपट जारी कर इसकी सूचना भी सार्वजनिक की थी।

मेक इन इंडिया के 10 साल पूरे!

दिल्ली, मोदी सरकार के मेक इन इंडिया अभियान के आज 10 साल पूरे हो गए हैं. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रसन्नता जाहिर की और इस अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी. उन्होंने उन सभी लोगों की सराहना की और आभार जताया है जिन्होंने इसे सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया. प्रधानमंत्री ने लिखा- भारत बदल रहा है. मेक इन इंडिया का नारा धीरे-धीरे रंग ला रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में 140 करोड़ भारतीयों की भूमिका अहम है. इसका लक्ष्य निवेश को आकर्षित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है. उन्होंने लिखा कि अनेक क्षेत्रों में निर्यात को बढ़ाने में मदद मिली. अर्थव्यवस्था मजबूत हुई. पीएम मोदी ने 2014 में मेक इंडिया लॉन्च किया था. दस साल बाद देश अब इसके परिणाम देखा जा रहा है. 2014 में देश में 80 फीसदी मोबाइल फोन का आयात होता था, अब 99.9 फीसदी मोबाइल फोन का उत्पादन होता है. यूके, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया, इटली और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों को भी निर्यात किया जा रहा है. रक्षा उत्पादन के साथ-साथ अंतरिक्ष, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, निर्माण क्षेत्र और रेलवे बुनियादी ढांचे में भी नतीजे देखे जा रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि कैसे उनकी सरकार का आत्मनिर्भर भारत बनाने का लक्ष्य सफल रहा.

दिल्ली की आतिशी सरकार का श्रमिकों को तोहफा

दिल्ली, आम आदमी पार्टी की सरकार ने त्योहारों से पहले श्रमिकों को बड़ा तोहफा दिया है. श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में सरकार ने इजाफा करने का ऐलान किया है. सीएम आतिशी ने कहा कि 2013 में अनस्किल्ड लेबर का न्यूनतम वेतन 7 हजार 722 रुपये था. अब 18 हजार 66 कर दिया गया है. इसके साथ ही सेमीस्किल्ड लेबर का न्यूनतम वेतन 19 हजार 929 और स्किल्ड लेबर का न्यूनतम वेतन 21 हजार 917 कर दिया गया है.

सीएम आतिशी ने कहा कि पिछले 10 साल में पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के लोगों की सहूलियत देने के लिए काम किया गया है. दिल्ली के लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने लगातार काम किया है. सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन को अधिकतम तक पहुंचाया है. दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2017 में जब दिल्ली सरकार ने न्यूनतम वेतन बढ़ाने की बात की तो भारतीय जनता पार्टी ने अपने एलजी से इस प्रस्ताव को पास नहीं होने दिया. इसके बाद कोर्ट जाकर इसे लागू करवाया. साथ ही ये भी नियम रखा कि जिस तरह से अधिकारियों का साल में दो बार डीए रहता है, वैसे ही श्रमिकों का भी वेतन बढ़े. बीजेपी गरीब विरोधी है.

किसानों से फिर कोई धोखा बर्दाश्त नहीं-राहुल गांधी

हिमांचल, बीजेपी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने तीन कृषि कानूनों को दोबारा लागू किए जाने की बात कहकर ऐन विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को बड़ा मौका दे दिया है. कंगना के बयान पर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है. एक एक कर कांग्रेस के नेता कंगना के साथ साथ बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर हैं. अब इस दंगल में खुद राहुल गांधी भी कूद गए हैं. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करके पूरे मामले में प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगा है. राहुल गांधी ने सवाल उठाया है सरकार की नीति कौन तय कर रहा है? बीजेपी सांसद या प्रधानमंत्री मोदी? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि क्या 700 से ज्यादा किसानों, खासतौर पर हरियाणा और पंजाब के किसानों की शहादत के बावजूद बीजेपी वालों का मन नहीं भरा? उन्होंने कहा कि इन शहीद किसानों का सम्मान किया जाना जरूरी है. राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तब उन किसानों की याद में दो मिनट तक का भी मौन नहीं रखने दिया था.

हाईकोर्ट जज ने भारतीय क्षेत्र को बताया पाकिस्तानी तो बरसे CJI

दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता है. चंद्रचूड़ ने यह टिप्पणी कर्नाटक हाई कोर्ट के एक जज के मामले में सुनवाई के दौरान की. दरअसल, हाल ही में कर्नाटक हाई कोर्ट के एक जज श्रीशानंद का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे एक समुदाय से जुड़े स्थान को पाकिस्तान कह रहे थे. चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों को बोलने से पहले यह सोचना चाहिए कि उनकी टिप्पणी किसी समुदाय की गरिमा को ठेस न पहुंचाए. उन्होंने कहा कि जजों को तो और भी इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए. मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट के आधार पर हुई. रिपोर्ट में कहा गया है कि जज ने बिना शर्त माफी मांग ली. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से पूछा कि क्या आप कोई दलील देना चाहेंगे? इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि मैंने क्लिपिंग देखी है. मैं सोच रहा था कि क्या आंतरिक कार्यवाही होगी. बेंगलुरु में मैंने वकीलों से न केवल न्यायाधीश के संबंध में बल्कि अन्य चीजों के बारे में बात की थी. वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जज ने माफी मांग ली है. पब्लिक डोमेन में हम कभी-कभी कुछ कह देते हैं, लेकिन अब इस बात को ज्यादा खिंचना नहीं चाहिए. चीफ जस्टिस ने इस पर कहा कि वकीलों, न्यायाधीशों, अदालत के सदस्यों को यह समझना चाहिए कि लाइवस्ट्रीमिंग की अदालत के पीछे दर्शकों की महत्वपूर्ण पहुंच है. यह व्यापक प्रभाव वाले आकस्मिक आचरण के लिए अदालत में उपस्थित होने वाले वकीलों, न्यायाधीशों, वादियों पर जिम्मेदारी डालता है. उन्होंने आगे कहा कि न्यायाधीश के रूप में, हमारे जीवन के अनुभवों पर आधारित स्वभाव होते हैं. साथ ही एक न्यायाधीश को अपने पूर्व-स्वभाव के बारे में जागरूक होना पड़ता है. ऐसी जागरूकता के आधार पर ही हम कर्तव्य के प्रति वफादार हो सकते हैं. हाई कोर्ट के जज के खिलाफ केस बंद करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि अचानक से की गई टिप्पणियां पूर्वाग्रह का संकेत देती है. इससे हमें बचने की जरूरत है. केस की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ऐसे लोग हैं जो इस पर टिप्पणी करने के लिए ट्विटर हैंडल का उपयोग कर रहे हैं. सोशल मीडिया से जुड़ी गुमनामी इसे एक बहुत ही खतरनाक उपकरण बनाती है. इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि आप इस देश के एक क्षेत्र को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं और न ही सोशल मीडिया को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है. सीजेआई ने आगे कहा कि सूर्य के प्रकाश का जवाब अधिक सूर्य का प्रकाश है. इसका उत्तर दरवाजे बंद करना और सभी को बंद कर देना नहीं है. उन्होंने यह भी साफ किया कि अदालत में जो लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है, उसे बंद नहीं किया जा सकता है. केस की सुनवाई को खत्म करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने माफी मांग ली है, इसलिए अब हम इसे बंद कर रहे हैं.

महालक्ष्मी की हत्या कर ओडिशा फरार हुआ आरोपी?

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली है कि 29 वर्षीय महिला की नृशंस हत्या में शामिल संदिग्ध ओडिशा में मौजूद है। उसे पकड़ने के लिए और मामले को सुलझाने के लिए तीन से चार टीम को वहां भेजा गया है। जी परमेश्वर ने बताया कि हमने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है, क्योंकि इस हत्या ने पूरे बेंगलुरु को हिलाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस अपराध के पीछे जो जानकारी मिली, उसमें भी इसी संदिग्ध का हाथ है। बताया जा रहा है कि वह जगह बदल-बदल कर भाग रहा है। बेंगलुरु में मल्लेश्वरम इलाके की एक इमारत में महालक्ष्मी की हत्या कर शव के 50 से अधिक टुकड़े किये गए। इन्हें एक फ्रिज से बरामद किया गया था। परमेश्वर ने कहा कि उसे पकड़ने के बाद हमें और जानकारी मिलेगी। दो-तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों और सूचना के आधार पर ओडिशा के एक व्यक्ति की संलिप्तता पर संदेह है।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
D-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870/9820361619
vinod143singh@gmail.com

बदलापुर में अक्षय शिंदे का अंतिम संस्कार नहीं होने देंगे

मुंबई, बदलापुर स्कूल कांड के मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे का एनकाउंटर होने के बाद लोगों में नाराजगी है। ठाणे जिले में आने वाले बदलापुर के लोगों ने मांग की है कि अक्षय शिंदे का अंतिम संस्कार उनके स्थानीय श्मशान घाट में न किया जाए। यह मांग के मंजरली इलाके के निवासियों ने मांग की है। अक्षय शिंदे को अगस्त महीने में दो छोटी बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामले में अरेस्ट किया गया था। इसके बाद 23 सितंबर को तलोजा जेल से बदलापुर लाए जाने के बाद दौरान मुंब्रा बाईपास पर अक्षय शिंदे का एनकाउंटर हुआ था। अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर जहां महाराष्ट्र में सियासी बयानबाजी जारी है तो वहीं दूसरी तरफ उसकी मौत के बाद भी स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

शिंदे के परिवार ने कानूनी मदद मांगी है। पुलिस जरूरत पड़ने पर सुरक्षा मुहैया कराने के लिए तैयार है। तो इधर बदलापुर के मंजरली के निवासियों ने कहा है कि अक्षय शिंदे का अंतिम संस्कार इलाके में स्थित श्मशान घाट में न किया जाए। स्थानीय लोगों ने कहा कि वे अक्षय शिंदे का अंतिम संस्कार मंजरली श्मशान घाट में नहीं होने देंगे। स्थानीय लोगों ने मांग की कि उसके परिवार को उसका अंतिम संस्कार कहीं और करना चाहिए। पुलिस ने कहा कि अक्षय का परिवार कहीं भी उसका अंतिम संस्कार कर सकता है और जरूरत पड़ने पर वे उन्हें सुरक्षा भी मुहैया कराएंगे। सोमवार की मुठभेड़ के बाद अक्षय के परिवार ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया था और मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए मामले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इसमें बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि यह एनकाउंटर नहीं है।

अब सिद्धिविनायक मंदिर के लड्डू का वीडियो वायरल

मुंबई, तिरुपति के लड्डू पर चल रहे विवाद के बीच अब मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद वाले डिब्बे पर चूहे का एक विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने आरोपों से इनकार किया है। शिवसेना नेता और SSGT के प्रेसिडेंट सदा सरवणकर ने मंगलवार को कहा रोजाना लाखों लड्डू बांटे जाते हैं और उन्हें साफ-सुथरी जगह पर तैयार किया जाता है। विडियो में जो जगह दिख रही है, वहां काफी गंदगी है। वह मंदिर की जगह नहीं है। विडियो कहीं और शूट किया गया है। कथित विडियो में नीले रंग की ट्रे में रखे लड्डू के फटे पैकेट पर चूहे दिखाई दे रहे हैं। सरवणकर ने कहा कि हम सीसीटीवी की जांच करेंगे। यह जांच डीसीपी रैंक के एक अधिकारी करेंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर यह सुनिश्चित करता है कि प्रसाद साफ-सुथरी जगह तैयार हो। घी, काजू और दूसरी सामग्री को पहले नगर निगम की लैब में टेस्ट के लिए भेजा जाता है, वहां से रिपोर्ट सही मिलने के बाद ही इस्तेमाल किया जाता है। लैब में पानी की भी जांच की जाती है। सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद में चूहे का कथित वीडियो वायरल होने के बाद फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन भी हरकत में आ गई है। एफडीए के आला अधिकारी ने इस मामले में जांच कराने की बात कही है। फूड सेफ्टी अधिकारी मंदिर जाकर ऑडिट करेंगे। वहीं मंदिर प्रशासन ने कहा है कि हम पुलिस के जरिए इस वीडियो की जांच का अनुरोध करेंगे। दरअसल बड़े देवस्थलों में एफडीए और एफएसएसएआई के अधिकारियों द्वारा ऑडिट किया जाता है। इसमें प्रसाद बनाने में किन सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है, सामान कहां बनाया और रखा जा रहा है, क्या उनके पास उचित परमिशन है या नहीं, प्रसाद बनाने वाले कर्मचारियों का हेल्थ सर्टिफिकेट है या नहीं, ऐसे लगभग 100 मापदंडों पर खरे उतरने के बाद ही उन्हें भोग सर्टिफिकेट दिया जाता है।

चुनाव से पहले शिंदे सरकार का बड़ा एलान

मुंबई, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना की तर्ज पर महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने सरपंचों एवं उपसरपंचों का मानधन दोगुना करके विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी के लिए एक और चुनौती पेश कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि अगले 15 दिनों महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा हो जाएगी।

इस घोषणा से ठीक पहले मंत्रिमंडल की बैठक में सरपंचों एवं उपसरपंचों के मानधन बढ़ाने का फैसला किया गया है। फैसले के अनुसार जिन ग्राम पंचायतों की संख्या 2000 तक है, उनके सरपंचों का मानधन 3000 रुपए से बढ़ाकर 6000 रुपए तथा उपसरपंचों का मानधन 1000 रुपए से बढ़ाकर 2000 रुपए कर दिया गया है। इसी प्रकार जिन ग्राम पंचायतों की जनसंख्या 2000 से 8000 के बीच है, उनके सरपंचों का मानधन 4000 रुपए से 8000 रुपए तथा उपसरपंचों का मानधन 1500 रुपए से 3000 रुपए किया गया है।

इसके अलावा जिन ग्राम पंचायतों की जनसंख्या 8000 रुपए से ज्यादा है, उनके सरपंचों का मानधन 5000 रुपए से बढ़ाकर 10000 रुपए तथा उपसरपंचों का मानधन 2000 रुपए से बढ़ाकर 4000 रुपए करने का निर्णय किया गया है। मानधन में हुई इस बढ़ोतरी के कारण राज्य सरकार को 116 करोड़ रुपए अधिक खर्च करने पड़ेंगे। इसके अलावा सरकार के इस कदम को मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना की तरह ही बड़े पैमाने पर ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को लुभाने वाली योजना के रूप में भी देखा जा रहा है।

आर/उत्तर मनपा में अवैध निर्माण की सुनामी !

मुंबई आर/उत्तर मनपा विभाग में हुए भ्रष्टाचार की कब होगी जांच-पड़ताल?

अवैध निर्माण माफियाओं का सरदार ! जूनियर अभियंता चंद्रकांत फड़तरे...

भूषण गगराणी
(मुंबई मनपा आयुक्त)

दहिसर। मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी मनपा आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसा लगता है कि जैसे आर/उत्तर मनपा व मनपा में काबिज संबंधित अधिकारियों के भी हाथ भ्रष्टाचार की चाशनी में सने हुए हैं। आर/उत्तर के इमारत एवं कारखाना विभाग में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होना ये दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव जीतने वाली भाजपा सरकार भी फेल हो गई है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शासन-प्रशासन का भी हाथ इस भ्रष्टाचार की चाशनी में सना हुआ हो। यही वजह है कि आज हमारे देश के राजनेताओं, पूंजीपतियों, बिल्डरों सरकारी अफसरों की इमेज हद से ज्यादा खराब, अविश्वसनीय और देश तथा जनता को लूटकर खाने वाली बिरादरी की बन गई है। आए दिन इन लोगों के खिलाफ मीडिया में भ्रष्टाचार की खबरें छपने के बाद भी न ही सरकार को इसकी चिंता है न ही बड़े-बड़े अधिकारियों को। पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा होने के बावजूद हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार देश का सबसे गंभीर रोग है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित आम लोग होते हैं। बिना लेन-देन के कहीं भी, किसी भी विभाग में कोई काम नहीं होता। फिर चाहे वह नगरपालिका हो, कलेक्टर आफिस हो, पुलिस विभाग या मंत्रालय हो। देश-प्रेम और जनसेवा के शब्द लिखे बोर्ड तो दिखते हैं लेकिन स्टोरी सीरियल की तरह जैसे सारे हथकंडे और तिकड़म अपनाई जाती है। यही हाल मनपा विभाग में व्याप्त है। उसी भ्रष्टाचार की कड़ी मे महानगरपालिका के कई अधिकारी जेल जा चुके है। मिली जानकारी के अनुसार कई सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता जबसे कारखाना एवं इमारत विभाग के मलाईदार विभाग में अब तक बने रहना ये भी एक जांच-पड़ताल का विषय है। अब सवाल यह है कि कनिष्ठ अभियंता चंद्रकांत फड़तरे पर मनपा की आस्थापना विभाग इतनी मेहरबान क्यों है? एक कहावत है कि सारी दुनिया एक तरफ और जोरू का भाई एक तरफ। ऐसे ही फड़तरे के ऊपर भी कई भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद बिल्डिंग एवं कारखाना विभाग में डटे हुए है। परन्तु फड़तरे अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की बदौलत अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। वैसे ही मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग के इमारत एवं कारखाना विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आर/उत्तर मनपा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर द रेड स्टार न्यूज़ में लगातार खबरें प्रकाशित करने के साथ साथ मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त, पश्चिमी उपनगर अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त परिमंडल 07, आर/उत्तर सहायक आयुक्त, आर/उत्तर शिकायत अधिकारी, पद-निर्देशित अधिकारियों को भी शिकायत करने के बावजूद भी अवैध निर्माण पर सुनने को तैयार नहीं है। या यू कहे कि कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं समाजसेवी संगठनों एवं पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद और जोर-शोर में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि पत्रकारों द्वारा आरटीआई मे जबाब मांगने के बाद भी कोई सही जानकारी नहीं दी जाती बल्कि घुमा-फिरा कर गोल माल आधी अधूरी जबाब मिलता है। यही कारण है कि अब सहायक आयुक्त नवनीस वेंगुरलेकर भी शक के घेरे में आ गए हैं। अब तो यही लगता है कि आर/उत्तर विभाग में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त से लेकर इमारत एवं कारखाना विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। वही महानगरपालिका का बिल्डिंग एवं फैक्टरी विभाग एक खास अभियंता की कठपुतली बनी हुई है? मनपा आर/उत्तर के भ्रष्ट अधिकारी चंद्रकांत फड़तरे का चहेता भूमाफिया व ठेकेदार भीम शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक 02 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण कर चुका है। **अगले अंक में पढ़े मनपा आर/उत्तर के सहायक आयुक्त की पूरी कहानी पार्ट एक.?**

ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन के दक्षिण भारतीय पर्यवेक्षक श्री ज़ियाद द्वारा लिए गए साक्षात्कार

ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन द्वारा श्री हरिकुमार का चयन करने से कुछ समय पहले, ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन के दक्षिण भारतीय पर्यवेक्षक श्री ज़ियाद द्वारा लिए गए साक्षात्कार के प्रासंगिक अंश....

श्री हरिकुमार हमने दक्षिण कर्नाटक में कई लोगों को अपने संगठन का अध्यक्ष माना है। मानवीय मूल्यों को कायम रखने वाले व्यक्ति के रूप में आपका स्तर बहुत ऊँचा पाया जाता है। क्या आप अपने जन्म स्थान और अन्य चीज़ों के बारे में स्पष्ट हो सकते हैं?

मैं चालीस साल पहले केरल के कन्नूर जिले के थालीपरम्बु तालुक के पैयेनी नामक गाँव में धन्य माता-पिता के यहाँ पैदा हुआ था। मेरे पिता की नौकरी बदलने के परिणामस्वरूप, हम कर्नाटक के मैंगलोर शहर में चले गए। भले ही पारिवारिक पृष्ठभूमि सही न रही हो, लेकिन अचानक भारी वित्तीय बोझ और इसी तरह की अन्य चीज़ों ने मुझे हमेशा की तरह कमज़ोर बना दिया।

आर्मी स्कूल में अपनी 10वीं कक्षा की शिक्षा पूरी करने के बाद, मैंने जूते की दुकानों, रेहड़ी-पटरी वालों, होटलों में कई अंशकालिक नौकरियाँ कीं और अपनी पढ़ाई भी जारी रखी।

मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के बाद आपने क्या किया?

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी सरथ सक्सेना के कॉलेज में शिक्षक के रूप में शामिल हो गए। स्कूल के प्रबंधन में बदलाव और उनकी मृत्यु मेरे ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए एक प्रश्नचिह्न बन गई, जिसने एक ऐसी परियोजना बनाई जिसने मन में विचारों के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी विभिन्न शैलियों के माध्यम से समाज को ढाला।

मैंने कुछ समय तक विश्वविद्यालय और कई अन्य कॉलेज स्कूलों में अंशकालिक व्याख्याता के रूप में काम किया। तभी मेरे मन में एक और विचार आया कि हमें एक अलग समाज बनाने की ज़रूरत है और इसके लिए हमें मैंगलोर में अपना खुद का संस्थान खोलना होगा जिसका नाम डिलाइट्स एजुकेशन है। एक फर्म शुरू करना और चलाना चाहता था। मेरी पत्नी और मुझे बहुत तकलीफ़ हुई क्योंकि हम वित्तीय सुरक्षा के बिना फाउंडेशन के लिए किराया भी नहीं दे सकते थे।

क्या आपकी पत्नी भी शिक्षिका नहीं थीं?

मेरी पत्नी प्रिया. वे शिक्षक भी हैं वह वर्तमान में दक्षिण कर्नाटक के मंगलुरु शहर में डिलाइट्स कोचिंग चला रही हैं और प्रमुख प्रशिक्षक हैं। भविष्य में हम इसे एक ट्रस्ट बनाना चाहते हैं, बढ़ती पीढ़ी के लिए अपने पैरों पर खड़े होने और अपना भविष्य सुरक्षित करने का एक प्रयास और इसके लिए मेरी प्रेरणा प्रिया है।

वह समझती थीं कि मेरे प्रयास लोगों के लिए हैं। उन्हें भी बहुत तकलीफ़ हुई। हम आर्थिक तंगी में थे। जब हम मानसिक रूप से बहुत थक गए और फिर से बहुत बोझ तले दब गए, तो मुंबई के लिए ट्रेन पकड़ी।

मैंने कई दिन सड़क पर सोकर, नल का पानी पीकर और दिन में एक वड़ापा पीकर बिताए। हालांकि मैंने कई जगहों पर काम करने की कोशिश की, लेकिन पैसे के बिना मुझे अस्वीकार कर दिया गया और रहने की स्थिति मुझे वापस अपने देश ले आई। यह तब होता है जब आप सोच रहे होते हैं कि आगे क्या करना है।

यह अवसर मुझे तब मिला जब सऊदी अरब में एविस की शुरुआत हो रही थी और मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा था जो किसी भी काम को पूरी लगन से कर सके।

मैं सऊदी अरब सिर्फ़ एक विज़िटिंग वीज़ा के साथ आया था, कोरोना का दौर, कई बड़ी कंपनियों का पतन, लाखों लोगों की नौकरी छूटना, संकट का दौर, संकटों से घिरे तीन साल... एक ऐसा सफ़र जहाँ हर कोई अंधेरे में था। मेरा दृढ़ निर्णय 'या तो डिब्बे में या डिब्बे में बंधा हुआ...' एक छोटे से प्रोजेक्ट से शुरू हुआ आंदोलन आज इतना बड़ा हो गया है कि 300 परिवारों के घरों में धुआं भर रहा है।

एविस नामक आंदोलन को कोच करना मेरी योग्यता नहीं है। हम इस आंदोलन में आप जैसे किसी व्यक्ति का दिल से स्वागत करते हैं। मैं कामना करता हूँ कि आप और भी कई ऊँचाइयों को छुएँ।

मुझे मानवाधिकार फाउंडेशन नामक इस आंदोलन का हिस्सा होने पर गर्व है और मैं अपनी ज़िम्मेदारी पूरी ईमानदारी और विश्वास के साथ लेता हूँ।

निश्चित रूप से ईश्वर का एक और आशीर्वाद प्रार्थना करता हूँ कि आप कई अच्छे काम कर पाएँगे ...

भारत- नेपाल सीमा पर डेढ़ करोड़ की चरस के साथ पकड़ी गई नेपाली महिला

बहराइच, भारत- नेपाल बॉर्डर पर मादक पदार्थों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले अब महिलाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। रुपईडीहा थाने की पुलिस और एसएसबी के जवान बॉर्डर पर चेकिंग कर रहे थे। नेपाल की तरफ से आ रही महिला को रोक कर जवानों ने पूछताछ किया तो वह भयभीत हो गई। जब महिला पुलिस को बुलाकर जवानों ने तलाशी ली। तो वह लोग दंग रह गए। महिला को केस दर्ज कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। बहराइच जिले के रुपईडीहा स्थित एसएसबी 42वीं वाहिनी के जवान और पुलिस चेक पोस्ट पर आने जाने वाले लोगों की जांच कर रहे थे। नेपाल की तरफ से आ रही एक महिला को रोक कर पूछताछ की गई। तो वह सहम गई। जब महिला सिपाही ने उससे कमर के पास रखे सामान के विषय में पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे सकी। तलाशी के दौरान कमरबंद में रखे सामान को निकाल कर जब उसे खोला गया तो हरे रंग के कपड़े में 6 पाउच बरामद हुए। उसमें काले रंग का कोई पदार्थ भरा था। खोजी कुत्तों ने उसकी पहचान मादक पदार्थ के रूप में किया। जिस पर महिला को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम रेखा बूढ़ा पुत्री दिलबहादुर बूढ़ा बताया। वह नेपाल की रहने वाली है। महिला ने आगे कहा कि वह यह चरस लेकर शिमला में एक व्यक्ति को देने जा रही है। पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया है। तथा बरामद चरस को सीज कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

हेट स्पीच के मामले में मुख्तार का छोटा बेटा उमर पहुंचा कोर्ट

मऊ, हेट स्पीच के मामले में दिवंगत माफिया मुख्तार अंसारी का छोटा बेटा उमर अंसारी आज मऊ कोर्ट पहुंचा। उमर अंसारी के ऊपर विधान सभा उपचुनावों के दौरान आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। कोर्ट में पहुंचा उमर अंसारी पूरे समय मीडिया से बचता रहा। कोर्ट में आज हेट स्पीच मामले में उमर अंसारी की पेशी थी। आपको बता दें कि बीते विधान सभा चुनावों में अब्बास अंसारी और उसके छोटे भाई उमर अंसारी पर अधिकारियों को धमकाने और देख लेने का मुकदमा मऊ कोतवाली थाने में दर्ज हुआ था। इसके पहले 19 सितम्बर को मऊ कोर्ट में वीसी से उमर के भाई अब्बास की कोर्ट में वीसी से पेशी हुई थी। उस समय हेट स्पीच मामले का गवाह कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सका था। कोर्ट ने इस बात के लिए आज 25 सितम्बर की तारीख मुकर्रर की थी।

गोरखपुर में भी हो रही है श्रमिकों की प्री-स्क्रीनिंग

गोरखपुर, इजरायल और यूपी की योगी सरकार के बीच हुए एमओयू के तहत निर्माण श्रमिकों को इजरायल में रोजगार दिए जाने को लेकर गोरखपुर में भी जिले स्तर पर निर्माण श्रमिकों की प्री-स्क्रीनिंग की जा रही है।इस संबंध में रोजगार संगम पोर्टल पर निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण हेतु व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। चयनित निर्माण श्रमिकों को इजरायल में 1.37 लाख रुपये प्रति माह वेतन मिलेगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चरगावां के प्रधानाचार्य संतोष कुमार ने बताया कि नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) द्वारा इजरायल की संस्था पापुलेशन, इमीग्रेशन व बार्डर अथारिटी (पीआइबीए) के साथ समन्वय स्थापित कर फ्रेमवर्क/शटरिंग कारपेंटर, आयरन बेल्डिंग, सिरेमिक टाइल तथा प्लास्टरिंग कैटेगरी के निर्माण श्रमिकों को इजरायल भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है।उक्त ट्रेडों की अर्हता हेतु उम्र सीमा 25 से 45 वर्ष, कम से कम तीन वर्ष की वैधता का पासपोर्ट, संबंधित ट्रेड में कम से कम तीन वर्ष का अनुभव, इजरायल में पूर्व में कार्य न किया हो तथा अन्य संबंधित शर्तें एवं अर्हताएं सेवायोजन विभाग के पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर उपलब्ध हैं। इस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक निर्माण श्रमिकों को सेवायोजन विभाग के एकीकृतपोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में इजरायल हेतु पंजीकरण करना होगा। निर्माण श्रमिकों हेतु रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में अधिक जानकारी जिले के सेवायोजन कार्यालय अथवा कॉल सेंटर के नंबर 155330 के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। इजराइल की पापुलेशन, इमीग्रेशन व बार्डर अथारिटी (पीआइबीए) श्रमिकों के चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। प्री-स्क्रीनिंग प्रक्रिया श्रमिकों को इजरायल भेजने की दिशा में पहला कदम होगी। प्री-स्क्रीनिंग में सफल श्रमिकों को आरपीएल के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके बाद इजरायल की संस्था पीआइबीए व्यावसायिक कौशल परीक्षण कराएगी। परीक्षण में सफल श्रमिकों का पुलिस वेरिफिकेशन और मेडिकल परीक्षण होगा। निर्माण श्रमिकों को इजरायल में रोजगार देने के लिए्न इसके पहले प्रदेश के नौ हजार से अधिक श्रमिकों को चयनित किया जा चुका था।

छठी क्लास की छात्रा के साथ शिक्षक ने की अश्लील हरकत

सीतापुर, उत्तर प्रदेश के सीतापुर से एक मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षक ने छठी क्लास की छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की। टीचर बच्ची को बहला-फुसलाकर घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने बच्ची को मारा-पीटा और कमरे में बंद कर दिया। इसकी भनक जब लड़की के परिजनों को हुई तो उन्होंने टीचर की पिटाई कर डाली। छठी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा हर रोज की तरह अपने स्कूल जा रही थी। इसी बीच स्कूल के टीचर संजय गुप्ता ने उसे रोक लिया। पहले वह बहाने से बच्ची को अपने घर ले गया। फिर उसने बच्ची से कहा कि मेरे रूम में चलो वरना फेल कर दूंगा। टीचर के मुंह से ऐसी बातें सुनकर बच्ची घबरा गई और वहां से जाने लगी। टीचर ने बेडरूम में ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती की। बाद में टीचर ने बच्ची को मारा-पीटा और कमरे में बंद कर स्कूल चला गया। स्कूल से काफी देर तक घर ना आने पर बच्ची के परिजन परेशान हो गए। लोगों से पूछने पर पता चला कि लोगों ने उसे संजय गुप्ता के घर की तरफ जाते देखा था। परिजनों जब शिक्षक के घर पहुंचे तो उसके घर पर ताला लगा था, लेकिन अंदर से बच्ची की चीखने-चिल्लाने की आवाज आ रही थी। परिजनों ने घर का दरवाजा तोड़ा और घर के अंदर दाखिल हुए। पिता को देख लड़की उनके गले लग गई। उसने टीचर की करतूत पापा को बताई। बाद में सबने मिलकर शिक्षक की खूब धुनाई की। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने संजय को गांव वालों के चंगुल से छुड़ाया।

रेप का आरोपी भाजपा नेता गिरफ्तार

लखनऊ, उत्तराखंड में नैनीताल-लालकुआं दुग्धसंघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा के खिलाफ एक विधवा महिला ने रेप का मामला दर्ज कराया था। पीड़िता दुग्धसंघ में ही नौकरी करती थी। आरोप है कि मुकेश बोरा ने नियमित करने का झांसा देकर कई बार उसके साथ दुराचार किया था। साथ ही उस पर एक नाबालिग से भी पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज हुआ था। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही थी। पुलिस उसकी संपत्ति भी कुर्क कर चुकी थी। साथ ही फरारी के दौरान उसकी मदद करने वाले चार लोगों पर केस भी दर्ज कर चुकी थी। अब पुलिस पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को यूपी से गिरफ्तार किया गया है। चह पुलिस से बचने के लिए दर-दर भटक रहा था। आरोपी कई दिन से ठिकाने बदलकर पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। बीते दिनों उसकी मदद करने के आरोपी में एक महिला नेता सहित चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस भी दर्ज कर लिया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया था। आज पुलिस ने उसे दबोच लिया था। नैनीताल एसएसपी ने उसकी गिरफ्तारी के संबंध में प्रेसवार्ता की। एसएसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमों का गठन किया गया था।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

सीएम योगी ने दी पं. दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि

लखनऊ, सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का चिंतन मनन आज भी भारतीय लोकतंत्र के लिए प्रासंगिक है। पंडित दीनदयाल के कारण ही गांव, गरीब, किसान और महिलाएं राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल हुए। पंडितजी ने 60-70 साल पहले जो जीवन दर्शन अपने विचारों के माध्यम से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। हर हाथ को काम हो, हर खेत को पानी हो, आर्थिक प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर चढ़े हुए व्यक्ति से नहीं बल्कि सबसे नीचे खड़े हुए व्यक्ति के माध्यम से किया जाना चाहिए। यह दिशा आज से 70 साल पहले पंडित जी ने दी थी। सीएम योगी ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोग फ्री में राशन का लाभ ले रहे हैं। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना का लाभ मिल रहा है। पीएम मोदी के विजन को जमीन पर उतार रहे हैं। भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल के रूप में काम कर रहा है। महानगर की टीम को बधाई देता हूं। सीएम ने कहा पीएम मोदी कहते हैं, बूथ जीता तो चुनाव जीता। इसके साथ ही भाजपा ने आज से ही बूथ स्तर पर सदस्यता का महाअभियान प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेश की जनता की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। एक ओर जहां पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर हम उनका स्मरण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा ने पंडित जी की जयंती को अपने सदस्यता अभियान की तिथि के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक यूपी भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

पशुओं के चारे में पकड़ी शराब की पेटियां

बरेली, टोल प्लाजा पर चेकिंग के दौरान ट्रक से बरामद शराब की तस्करी के मामले में उत्तराखंड की शराब निर्माता कंपनी श्रीराम एग्रो वेंचर्स समेत छह लोगों के खिलाफ थाना फरीदपुर में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में दिल्ली और असम के तीन ट्रांसपोर्टरों के साथ महाराष्ट्र के ट्रक मालिक और हरियाणा के चालक को भी आरोपी बनाया गया है।रविवार को राज्य कर विभाग की सचल दल इकाई बरेली के अनूप कुमार और उनकी टीम फरीदपुर टोल प्लाजा पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने दिल्ली से आ रहे एक ट्रक को रोका, जिसमें पशु आहार भरा हुआ था। ट्रक चालक, हरियाणा के पानीपत निवासी नईम (अशोक विहार कॉलोनी, काबुल बाग) से राज्य कर के कागजात मांगे गए, जिन्हें वह नहीं दिखा सका। इसके बाद टीम ट्रक को कैंट स्थित कार्यालय लेकर गई, जहां पशु आहार के बोरे उतरवाने पर अंदर शराब की पेटियां मिलीं। ट्रक से श्रीराम एग्रो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित सतपुली की शराब फैक्ट्री में बनी नेवी ब्लू प्रीमियम ब्लेंडेड व्हिस्की की 750 पेटियां बरामद हुईं। ट्रक चालक नईम मौके से फरार हो गया। मौके पर आबकारी इंस्पेक्टर पुष्पेंद्र कुमार पहुंचे और जांच में पता चला कि यह शराब गोवा के लिए अधिकृत थी, लेकिन इसे दिल्ली से असम भेजा जा रहा था। ट्रक चालक ने फरार होने से पहले बताया था कि वह पशु आहार दिल्ली से असम लेकर जा रहा था जीएसटी और आबकारी विभाग ने इस मामले में शराब तस्करी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

गरीब महिला से लेखपाल ने ठगे 1.63 लाख

गोंडा, गोंडा जिले के मनकापुर तहसील की रहने वाली महिला ने लेखपाल पर पट्टा दिलाने के नाम पर 1.63 लाख रुपये ठग लेने का आरोप लगाया है। यही नहीं लेखपाल ने महिला को फर्जी पट्टा प्रमाण पत्र बनाकर दे दिया। जब महिला को इसकी जानकारी हुई कि उसे फर्जी पट्टा प्रमाण पत्र मिला है। तो उसने आईजीआरएस पर शिकायत किया। जिसमें विभाग के अधिकारियों ने एक पक्षीय रिपोर्ट लगाकर मामले को निस्तारित कर दिया। महिला ने प्रार्थना पत्र देकर आयुक्त से फरियाद लगाई। आयुक्त ने प्रकरण में डीएम को जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिससे हड़कंप मच गया है।देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने पट्टा दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोपी लेखपाल के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। मुन्नी देवी ने कई बार आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। लेकिन हर बार उसकी शिकायत को एकपक्षीय तरीके से खारिज कर दिया गया। आयुक्त ने मामले का संज्ञान लेते हुए इसे गंभीर मानते हुए डीएम गोण्डा को मुख्य राजस्व अधिकारी को जांच कराने के आदेश दिए हैं। पीड़िता मुन्नी देवी के इस मामले की जांच मंडलायुक्त ने मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपी है। 10 दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस कार्रवाई से गरीब और शोषित लोगों को न्याय की उम्मीद जगी है। लेखपाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

कांग्रेस के बड़े नेता भी कुशीनगर जाली नोटकांड में फंसे...!

कुशीनगर, जिले में पुलिस ने जाली नोट के गैंग का भंडाफोड़ किया है। इस गैंग का मास्टरमाइंड रफी खान समाजवादी पार्टी युवजन सभा का राष्ट्रीय सचिव है, इसकी फोटो भी सपा के बड़े नेताओं के साथ सामने आई हैं। पुलिस ने गैंग के दस लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों में सपा नेता रफी खान भी शामिल है। रफी खान नकली नोट के सिंडिकेट का सरगना था।जैसे-जैसे पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे कई नाम सामने आ रहे हैं। अब यूपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू का नाम पूरे मामले में जुड़ रहा है। गिरफ्तार 10 आरोपियों में से एक औरंगजेब की फोटो लल्लू के साथ वायरल हो रही है। कुशीनगर के एसपी ने अजय कुमार लल्लू को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है।

सपा नेता का डर्टी पिक्चर वायरल

मऊ, मऊ जिले में सपा नेता व स्कूल प्रबंधक का अश्लील वीडियो खूब वायरल हो रहा। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि विद्यालय प्रबंधक और स्कूल संचालक गुफरान अहमद एक महिला के साथ एक कमरे में रंगरेलियां मना रहा। इस वीडियो को ले कर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। वहीं राजनीति के गलियारों में चर्चा हो रही है की एक और सपा के नेता का घिनौना सच सामने आ गया। क्योंकि मऊ जिले में कुछ दिन पहले एक के एक बड़े नेता पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था।आपको बता दें कि गुफरान अहमद का मऊ जिले के सरायलखंसी थानाक्षेत्र के पिपरीडीह में एक अस्पताल भी संचालित होता है। और जिले में कई विद्यालयों का संचालन भी करता है। वहीं वीडियो को लेकर गुफरान अहमद का कहना है कि यह वीडियो एक एडिटेड वीडियो है जो उसी के अस्पताल के कर्मचारी ने एडिट करके बनाया है।

शिक्षिका ने खोली विभाग की पोल

मऊ, परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के समय से न आने की तमाम शिकायतें रोज आती हैं। अधिकारी और शिक्षक इस विषय पर तमाम वादे और बयानबाजी विभाग की अच्छी छवि बनाने का प्रयास करते हैं लेकिन विभाग की पूरी कहानी शिक्षिका ने ही कैमरे पर खोल दी। जिससे अधिकारी और सिस्टमबाज अध्यापकों में हलचल मचा हुआ है क्योंकि समय से विद्यालय न आने वाले या स्कूल नहीं आने वाले सिस्टम में विभाग संलिप्त है।

शिक्षिका का आरोप है कि उसके विद्यालय में शिक्षक 8 बजे के बजाय 10 बजे स्कूल आते हैं। मामला मऊ जिले के रतनपुरा ब्लॉक के जमालपुरा गांव का है। यहां पर शिक्षिका अर्चना सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके विद्यालय की कक्षा 3 की मैडम रोज 10 बजे स्कूल आती हैं। जब तक वो स्कूल नहीं आतीं उनके बच्चों को मैं पढ़ाती हूं,आने के बाद वो क्लास से जबरदस्ती बच्चों को उठा कर ले कर चली जाती हैं। बार बार कहने पर भी वो अपनी आदत से बाज नहीं आतीं हैं। अगर उनको कुछ कहा जाता है तो धौंस जमाते हुए कहती हैं कि मेरे घर 10 आईएएस और पीसीएस हैं,आप जिससे मर्जी शिकायत कर लीजिए मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा। इस संबंध में शिक्षका का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का कहना है कि यदि कोई अध्यापक लेट से विद्यालय आते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आये दिन विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाता है। पिछले दिनों 12 शिक्षकों को निलंबित भी किया गया।

इंटरनेशनल ट्रेड शो का हुआ शुभारंभ
उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने योगी आदित्यनाथ को बताया गेम चेंजर

ग्रेटर नोएडा, इंटरनेशनल ट्रेड शो का हुआ शुभारंभ, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने योगी आदित्यनाथ को बताया गेम चेंजरयोगी आदित्यनाथ को गेम चेंजर बताते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि योगी जी इस राज्य के लिए गेम चेंजर साबित हुए हैं और इससे देश को काफी मदद मिल रही है। मैं उनके 24×7 कार्य करने की विशेष शैली से अभिभूत हूं। उप राष्ट्रपति ने इसके बाद कहा कि आयोजन में आकर बहुत खुशी हुई। यहां कई स्टॉल देखने पर ऐसा लगा कि वह दुनिया के सबसे विकसित देशों में हैं। उन्होंने कहा यह आयोजन प्रदेश के कारीगरों, शिल्पकारों तथा दुनियाभर के बायर्स को एक मंच पर लाने का अवसर प्रदान करता है। इतने विचारशील, दूरदर्शी और व्यावहारिक सोच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण में दक्षिण एशिया में प्रभावशाली जीडीपी वाला देश वियतनाम भागीदार देश के रूप में शामिल हुआ है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि वियतनाम को इस बात के लिए आश्वस्त होना चाहिए कि वह सही जगह पर है क्योंकि वे यहां सर्वश्रेष्ठ लोगों से जुड़ सकते हैं। हम भारत और यूपी के साथ-साथ वियतनाम की समृद्ध संस्कृति का भी अनुभव यहां प्राप्त कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच समानता अद्भुत है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि कानून और व्यवस्था से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। सबसे बड़ा राज्य यूपी अब देश की बहुत बड़ी ताकत बन गया है। उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाला राज्य है, जहां कानून-व्यवस्था की चुनौतियां, भय का माहौल और विकास की संभावनाएं कम थीं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व अब यह राज्य विकास की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। यह परिवर्तन अकल्पनीय है। एक तरह से यूपी का पूरा कायाकल्प हो गया है। भ्रष्टाचार अब यूपी में अतीत की बात हो गई है।

इलाज के दौरान महिला की मौत

गोंडा, बाबू ईश्वर शरण जिला चिकित्सालय में मरीज के परिजनों से पैसे मांगे जाने के मामले में आयुक्त ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएम से रिपोर्ट तलब की है। जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। अपने कारनामों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाला जिला अस्पताल एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जिला अस्पताल गोंडा एक बार फिर रिश्वत लेने के आरोप में सुर्खियों में आ गया है। मरीज की मौत और रिश्वतखोरी के मामले में आयुक्त ने कड़ा संज्ञान लिया है। देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने डीएम को प्रकरण में एडीएम से जांच करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल शिकायतकर्ता महेश निषाद ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी भाभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। लेकिन कोई डॉक्टर इलाज के लिए उपस्थित नहीं हुआ। केवल स्टाफ नर्स ही दवा देती थी। हर बार दवा या इंजेक्शन के लिए पैसों की मांग करती रहती थी। दवाएं भी अस्पताल से न देकर बाहर से मंगवानी पड़ती थीं। सबसे गंभीर बात तब हुई जब 15 सितम्बर 2024 को मरीज की मौत हो गई। मृतक के भाई ने जब अस्पताल से मृत्यु प्रमाण-पत्र मांगा, तो स्टाफ नर्स ने 700 रुपये की मांग की। पैसे न देने पर नर्स ने बाहरी लोगों को बुलाकर परिजनों के साथ मारपीट करवाई। मंडलायुक्त ने इस प्रकरण को अत्यंत गंभीर माना है। गोण्डा डीएम को एडीएम से जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जांच पूरा करने के लिए 30 सितम्बर तक की मोहलत दी है।

मंगला गौरी व्रत दूर होगी विवाह संबंधी अड़चनें

हर साल सावन महीने के प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत किया जाता है। यह व्रत मुख्य रूप से मां पार्वती और भगवान शिव को समर्पित होता है। मंगला गौरी का व्रत करने से जातक को शुभ परिणाम मिलते हैं। अगर किसी जातक की शादी में किसी तरह की परेशानी आ रही है, तो मंगला गौरी व्रत के दिन कुछ खास उपाय किए जा सकते हैं। मंगला गौरी व्रत के मौके पर इन उपायों को करने से जल्द ही विवाह के योग बनने लगते हैं।

मंगला गौरी व्रत के उपाय

अगर किसी जातक के विवाह में देरी हो रही है, तो मंगला गौरी व्रत के दिन मां गौरी को 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करनी चाहिए। इस उपाय को करने से मां पार्वती जल्दी प्रसन्न होती हैं। इससे जातक के विवाह के जल्दी योग बनते हैं। वहीं इस दिन मिट्टी का घड़ा बहते जल में प्रवाहित करने से भी जल्द विवाह के योग बनते हैं और विवाह में आने वाली अड़चनें दूर होती हैं।

दूर होगा मंगल दोष

विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए मंगला गौरी व्रत की पूजा करें। फिर जरूरतमंदों और गरीबों को लाल मसूर दाल और लाल रंग के वस्त्र दान करें। इससे कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है। वहीं व्रत के दौरान मां पार्वती की पूजा में 'ॐ गौरी शंकराय नमः' मंत्र का कम से कम 21 बार जाप करें। इस उपाय को करने से कुंडली में मंगल दोष दूर होता है।

जरूर करें हनुमान जी की पूजा

वहीं मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। इसलिए श्रावण महीने में हर मंगलवार को हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। साथ ही हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें और रामचरितमानस व सुंदरकांड का पाठ करें। इस उपाय को करने से भी मंगल दोष दूर होता है।

पंचमुखी हनुमान की तस्वीर घर में लगाना शुभ !

हिंदू धार्मिक मान्यताओं में किसी भी व्रत में उस व्रत की कथा सुनने का प्रावधान है. ऐसा माना जाता है कि कोई भी व्रत उसकी कथा के बगैर पूरा नहीं होता है. इसलिए हर प्रकार के व्रत एवं त्यौहार को लेकर कई प्राचीन कथाएं हैं. व्रत रखने वाली महिलाओं को इस दिन करवा चौथ व्रत का कथा सुननी चाहिए, इससे व्रत का पूरा लाभ मिलता है. ज्योतिषाचार्य प्रदीप आचार्य बताते हैं कि इस करवा चौथ जो भी महिलाएं करवा चौथ का व्रत रख रही हैं उन्हें व्रत की कथा अवश्य कहनी या सुननी चाहिए. उन्होंने बताया कि करवा चौथ सनातन काल से ही चल रहा है और इसे लेकर जो कथा है उसका श्रवण भी किया जाता रहा है. ज्योतिषाचार्य प्रदीप आचार्य ने बताया कि एक साहूकार हुआ करते थे, इनको सात पुत्र और एक पुत्री थी. पुत्री की शादी होने के बाद वह अपने ससुराल चली गई थी. सातों भाई अपनी बहन से काफी स्नेह रखते थे. एक बार करवा चौथ के दिन साहूकार के सभी बेटे अपनी बहन से मिलने उसके घर गये. जब वह अपनी बहन के घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उसकी बहन निर्जला उपवास में है और उसने उसने पूरे दिन अन्न जल का ग्रहण नहीं किया है. उसने अपनी बहन से पानी-पीने के लिए कहा तो उसने कहा कि चांद निकलने के बाद ही वह पानी पी सकती है. भाई ने देखा आसमान में चांद नहीं निकला हुआ था. यह सब देखकर उसके छोटे भाई से रहा नहीं गया और उसने दूर एक पेड़ पर दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख दिया. जिससे यह प्रतीत होने लगा कि चंद्रमा निकल आया है. उसके कहने पर उसकी बहन ने उसे चांद को देखकर व्रत खोल लिया. उसने जैसे ही अपना पहला निवाला मुंह में डाला, उसे छींक आ गई. जब उसने दूसरा निवाला अपने मुंह में डाला तो उसमें बाल निकल आया और तीसरा निवाला मुंह में डालते ही उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिल गया. पति की मौत से वह काफी दुखी हो गई है और उसने निर्णय ले लिया कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार ही नहीं करेगी. ज्योतिषाचार्य ने बताया कि उसने यह ठान लिया कि अपने सतीत्व से वह अपने पति को पुनर्जीवन दिलाकर ही रहेगी. इसके बाद वह एक साल तक अपने पति का शव लेकर वहीं बैठी रही तथा उसके ऊपर उगने वाली घास इकट्ठा करती रही. एक साल बाद करवा चौथ के दिन उसने चतुर्थी का व्रत किया और पूरे विधि-विधान से उसने निर्जला उपवास रखा.

खजुराहो के मंदिर में रखी हैं कामुक मूर्तियां?

खजुराहो भारत का मशहूर पर्यटन स्थल है। यह मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित प्राचीन मंदिर है। दुनियाभर के पर्यटकों के बीच यह मंदिर कामुक मूर्तियों के लिए जाना जाता है। यहां की नक्काशी और खूबसूरत चित्रकारी देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। इस मंदिर की दीवारों पर बनी 10 प्रतिशत नक्काशी ऐसी हैं, जो यौन गतिविधियों को दर्शाती है। वहीं 90 प्रतिशत नक्काशी उस वक्त वहां के लोगों के जीवन को प्रदर्शित करती है। कहते हैं चंदेल राजाओं ने मंदिर में यह मूर्तियां बनाई थी, लेकिन क्यों यह रहस्य अब तक बना हुआ है। आखिर ऐसी क्या वजह थी कि मंदिर की दीवारों पर रति क्रीडा, नृत्य मुद्राएं, अध्यात्म और प्रेम रस की प्रतिमाएं बनाई गईं। इस मंदिर की भव्यता, सुंदरता और प्राचीनता के कारण इसे विश्व धरोहर में शामिल किया गया है। इस मंदर में बनी कामुक मूर्तियों का कई बार विरोध हुआ है। हालांकि कामकला के आसनों में दर्शाए गए स्त्री पुरुषों के चेहरे पर अश्लीलता का भाव तक नहीं दिखता। ये मंदिर और इनका मूर्तिशिल्प स्थापित्य और कला की अमूल्य धरोहर है।

इस मंदिर में कई मैथुनी मूर्तियां लगाई गई हैं। जिन्हें देखने के बाद लोगों के मन में कई सवाल आते हैं। जैसे कि मंदिर जैसी जगह पर इन मूर्तियों के बनाने का मकसद क्या था। मूर्तियां बनाते वक्त धर्मगुरुओं ने इसका विराध क्यों नहीं किया। क्या इस मंदिर का कामसूत्र से कोई संबंध है। मंदिर की मूर्तियों में अष्ट मैथुन का सजीव चित्रण दिखाई देता है। 22 मंदिरों में से एक कंदारिया महादेव का मंदिर काम शिक्षा के लिए काफी मशहूर है। इस मंदिर का निर्माण राजा विद्याधर ने मोहम्मद गजनवी को दूसरी बार परास्त करने के बाद 1065 ई. के आसपास करवाया था। बाहर दीवारों पर नर-किन्नर, देवी-देवता और प्रेमी-युगल आदि के सुंदर चित्र उकेरे गए हैं। बीच की दीवारों पर आपको कुछ अनोखे मैथुन दृश्य देखने को मिलेंगे। खजुराहो में दीवारों पर बनी कामुक मूर्तियों का अपना महत्व है। यहां एक दीवार पर ऊपर से नीचे की ओर बनी 3 मूर्तियां कामसूत्र में वर्णित एक सिद्धांत की अनुकृति है। मैथुन क्रिया की शुरुआत में आलिंगन और चुंबन के जरिए उत्तेजना बढ़ाने का महत्व दर्शाया गया है। वही अन्य दृश्य में एक पुरुष 3 स्त्रियों के साथ रतिरत नजर आता है। एक मूर्ति ऐसी भी हैं, जहां नायक नायिका एक दूसरे को उत्तेजित करने के लिए नख दंत का प्रयोग कर रहे हैं। यह भी कामसूत्र के किसी सिद्धांत को दर्शाता है। कहते हैं कि चंदेल राजाओं के समय इस क्षेत्र में तांत्रिक समुदाय की वाममार्गी शाखा का वर्चस्व था। ये लोग योग और भोग दोनों को मोक्ष का साधन मानते थे। ये मूर्तियां उनके क्रियाकलापों की ही देन हैं। शास्त्र कहते हैं कि संभोग भी मोक्ष प्राप्त करने का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो सच में ही मुमुक्षु हैं। इन मूर्तियों को लेकर एक कहानी बड़ी प्रचलित है। कहते हैं कि एक बार राजपुरोहित हेमराज की बेटी हेमवती शाम को सरोवर में स्नान करने पहुंची। उस दौरान आकाश में विचरते चंद्रदेव ने जब स्नान करती हेमवती को देखा तो उनका मन विचलित होने लगा। इसे अपनी राजधानी बनाकर उसने यहां 85 वेदियों का एक विशाल यज्ञ भी कराया। बाद में इन्हीं वेदियों की जगह पर 85 मंदिर बनवाए गए थे । लेकिन आज 85 में से आज यहां केवल 22 मंदिर बचे हैं।

जब भूमि में समा गए थे शिव... केदारनाथ मंदिर की अनोखी कहानी

जब भी भारत के तीर्थ स्थलों का नाम लिया जाता है तो उसमें केदारनाथ धाम का नाम मुख्य रूप से लिया जाता है। भगवान शिव का यह भव्य ज्योतिर्लिंग धाम हिमालय की गोद में उत्तराखंड में स्थित है। भगवान शिव का यह केदारनाथ धाम केवल भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग की श्रृंखला में ही नहीं बल्कि भारत और उत्तराखंड के चार धाम और पंच केदार की श्रृंखला में भी गिना जाता है। कहा जाता है कि केदारनाथ मंदिर का इतिहास पांडवों से जुड़ा हुआ है जिसका निर्माण पांडव वंश के जन्मेजय ने करवाया था लेकिन कुछ मान्यताएं ऐसी भी हैं कि भगवान शिव के इस भव्य धाम की स्थापना आदिगुरु शंकराचार्य नके द्वारा की गई थी। हालांकि केदारनाथ का इतिहास क्या है? इस लेख में हम इस बात पर पूरी चर्चा करेंगे। केदारनाथ मंदिर पौराणिक सनातन सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक है और स्थल हिंदू धर्म में बहुत ही महत्व रखता है। केदारनाथ मंदिर से हिंदुओं की आस्था जुड़ी हुई है। केदारनाथ मंदिर हिंदू धर्म में प्रचलित है तथा यह मंदिर भारत के राज्य उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में स्थित है।केदारनाथ मंदिर हिमालय पर्वत की गोद में स्थित 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल है। इस मंदिर का निर्माण कत्यूरी शैली से किया गया है और इसके निर्माता पांडव वंश जनमेजय है। केदारनाथ मंदिर का निर्माण द्वापर युग में हुआ था। इस मंदिर में स्थित स्वयंभू शिवलिंग बहुत ही प्रचलित एवं प्राचीन है। केदारनाथ मंदिर के इतिहास की बात की जाए तो यह मंदिर बहुत ही प्राचीन है और विद्वानों एवं ऋषियों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण 80वीं शताब्दी में द्वापर युग के समय हुआ था। इस मंदिर के चारों ओर बर्फ के पहाड़ है। केदारनाथ मंदिर मुख्य रूप से पांच नदियों के संगम का मुख्य धाम माना जाता है और यह नदियां मंदाकिनी, मधुगंगा, क्षीरगंगा, सरस्वती और स्वर्णगौरी है। ऐसी मान्यताएं हैं कि ब्राह्मण गुरु शंकराचार्य के समय से ही स्वतः उत्पन्न हुए इस शिवलिंग की आराधना करते है। केदारनाथ मंदिर के समक्ष मंदिर के पुरोहित एवं यजमानों तथा तीर्थ यात्रियों के लिए धर्मशाला उपस्थित है। मंदिर के मुख्य पुजारी के लिए मंदिर के आसपास भवन बना हुआ है। मंदिर के मुख्य भाग में मंडप तथा गर्भ ग्रह के चारों ओर प्रदक्षिणा पथ बना हुआ है। मंदिर के बाहरी हिस्से में नंदी बैल वाहन के रूप में विराजित हैं। मंदिर के मध्य भाग में श्री केदारेश्वर स्वयंभू ज्योतिर्लिंग स्थित है जिसके अग्र भाग पर भगवान गणेश जी की प्रतिमा और मां पार्वती के यंत्र का चित्र है। ज्योतिर्लिंग के ऊपरी भाग पर प्राकृतिक स्फटिक माला विराजित है। श्री ज्योतिर्लिंग के चारों ओर बड़े-बड़े चार स्तंभ विद्यमान हैं और यह चार स्तंभ चारों वेदों के आधार माने जाते हैं। कहा जाता है कि केदारनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना का ऐतिहासिक आधार तब निर्मित हुआ जब एक दिन हिमालय के केदार श्रृंग पर भगवान विष्णु के अवतार एवं महातपस्वी नर और नारायण तप कर रहे थे। उनकी तपस्या से भगवान शंकर प्रसन्न हुए और उन्हें दर्शन दिए तथा उनकी प्रार्थना के फल स्वरूप उन्हें आशीर्वाद दिया कि वह ज्योतिर्लिंग के रूप में सदैव यहां वास करेंगे। केदारनाथ मंदिर के बाहरी भाग में स्थित नंदी बैल के वाहन के रूप में विराजमान एवं स्थापित होना का आधार तब बना जब द्वापर युग में महाभारत के युद्ध के दौरान पांडवों की विजय पर तथा भातर हत्या के पाप से मुक्ति के लिए भगवान शंकर के दर्शन करना चाहते थे। इसके फलस्वरूप वह भगवान शंकर के पास जाना चाहते और उनका आशीर्वाद पाना चाहते थे परंतु भगवान शंकर उनसे नाराज थे। पांडव भगवान शंकर के दर्शन के लिए काशी पहुंचे परंतु भगवान शंकर ने उन्हें वहां दर्शन नहीं दिए। इसके पश्चात पांडवों ने हिमालय जाने का फैसला किया और हिमालय तक पहुंच गए परंतु भगवान शंकर पांडवों को दर्शन नहीं देना चाहते थे इसलिए भगवान शंकर वहां से भी अंतर्ध्यान हो गए और केदार में वास किया। पांडव भी भगवान शंकर का आशीर्वाद पाने के लिए एकजुटता से और लगन से भगवान शंकर को ढूंढते ढूंढते केदार पहुंच गए।भगवान शंकर ने केदार पहुंचकर बैल का रूप धारण कर लिया था। केदार पर बहुत सारी बैल उपस्थित थी।

पांडवों को कुछ संदेह हुआ इसीलिए भीम ने अपना विशाल रूप धारण किया और दो पहाड़ों पर अपने पैर रख दिए भीम के इस रूप से भयभीत होकर बैल भीम के पैर के नीचे से दोनों पैरों में से होते हुए भागने लगे परंतु एक बैल भीम के पैर के नीचे से जाने को तैयार नहीं थी। भीम बलपूर्वक उस बैल पर हावी होने लगे परंतु वेल धीरे-धीरे अंतर्ध्यान होते हुए भूमि में सम्मिलित होने लगा परंतु भीम ने बैल की त्रिकोणात्मक पीठ का भाग पकड़ लिया। पांडवों के इस दृढ़ संकल्प और एकजुटता से भगवान शंकर प्रसन्न हुए और तत्काल ही उन्हें दर्शन दिए। भगवान शंकर ने आशीर्वाद रूप में उन्हें पापों से मुक्ति का वरदान दिया। तब से ही नंदी बैल के रूप में भगवान शंकर की पूजा की जाती है।

जीवित्पुत्रिका व्रत (जितिया व्रत): संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि का पर्व

भारतीय संस्कृति और धर्म में व्रत और त्योहारों का एक महत्वपूर्ण स्थान है। व्रत न केवल धार्मिक आस्था और श्रद्धा का प्रतीक होते हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और संयम को भी बढ़ावा देते हैं। ऐसे ही विशेष व्रतों में से एक है ङ्जजीवित्पुत्रिका व्रतङ्ख, जिसे सामान्यतः ङ्जजितिया व्रतङ्ख भी कहा जाता है। यह व्रत खास तौर पर माताओं द्वारा अपने बच्चों की लंबी आयु, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। यह व्रत बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, और नेपाल के कुछ हिस्सों में विशेष रूप से मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह व्रत अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है।

व्रत का धार्मिक और पौराणिक महत्त्व- जीवित्पुत्रिका व्रत का संबंध पौराणिक काल से है। मान्यता है कि इस व्रत का उल्लेख महाभारत काल में भी मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, राजा जीमूतवाहन ने एक नागराज के पुत्र को गरुड़ से बचाने के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। इसी त्याग और बलिदान की स्मृति में इस व्रत को मनाया जाता है। जीवित्पुत्रिका व्रत का नाम भी राजा जीमूतवाहन से ही लिया गया है, जिन्हें जितिया के रूप में पूजा जाता है। व्रत के दौरान महिलाएं जितिया व्रत की कथा सुनती या पढ़ती हैं, जिसमें राजा जीमूतवाहन के त्याग, कर्तव्य और बलिदान की महिमा का वर्णन होता है। इस कथा का धार्मिक महत्व इसलिए है कि यह माताओं को अपने संतान के प्रति उनके प्रेम और समर्पण की महिमा का स्मरण कराती है।

व्रत की तिथि और समय- जीवित्पुत्रिका व्रत तीन दिन तक मनाया जाता है, जिसमें पहला दिन 'नहाय-खाय', दूसरा दिन 'निर्जला उपवास' और तीसरा दिन पारणा का होता है।

1. नहाय-खाय: व्रत के पहले दिन, जिसे नहाय-खाय के रूप में जाना जाता है, महिलाएं स्नान कर शुद्ध भोजन करती हैं। इस दिन माताएं अपने व्रत के प्रति शुद्धता का संकल्प लेती हैं और दिनभर साधारण और सात्विक आहार ग्रहण करती हैं।

2. निर्जला व्रत: दूसरे दिन मुख्य व्रत रखा जाता है। इस दिन माताएं निर्जल यानी बिना जल ग्रहण किए व्रत करती हैं। पूरे दिन और रात माताएं न तो भोजन करती हैं और न ही पानी पीती हैं। उनका यह कठोर तप और संकल्प संतान की लंबी आयु और सुरक्षा के लिए होता है। इस दिन जितिया की पूजा की जाती है और व्रत की कथा का श्रवण किया जाता है।

3.पारणा: व्रत के तीसरे दिन पारणा किया जाता है। इस दिन महिलाएं अपने व्रत को तोड़कर भोजन ग्रहण करती हैं। पारणा करने से पहले पूजा-पाठ कर, ईश्वर से अपने बच्चों की दीर्घायु और समृद्धि की कामना की जाती है। पारंपरिक तौर पर महिलाएं फल-फूल और अन्य सात्विक भोज्य पदार्थों का सेवन करती हैं।

व्रत की पूजा विधि-

जीवित्पुत्रिका व्रत के दौरान महिलाएं विशेष पूजा-अर्चना करती हैं। व्रत की पूजा विधि में कुछ प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैः

- सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं।
- पूजा के लिए जितिया (राजा जीमूतवाहन) की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है।
- भगवान सूर्य की उपासना की जाती है, जो संतान की सुरक्षा और लंबी आयु के प्रतीक माने जाते हैं।
- महिलाएं व्रत की कथा सुनती हैं या स्वयं पढ़ती हैं, जिसमें जितिया के त्याग और महानता का वर्णन होता है।

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा हुई नाकाम !

मसाज की आड़ में देह व्यापार का नया अड्डा?

खुलेआम चल रहा है सलून एवं स्पा !

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी

मा. आनंद भोईटे (पुलिस उपायुक्त परि.-11)

रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

जुगार माफियाओं का अड्डा बना कल्याण डोम्बिवली शहर ..

डोम्बिवली रेलवे स्टेशन के सामने एवं भाजी मार्किट में स्थानीय पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहा जुगार ..

डोम्बिवली पूर्व। ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद डोम्बिवली शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा डोंबीवली पुलिस स्टेशन (रामनगर) अंतर्गत डोम्बिवली पूर्व रेलवे स्टेशन के सामने साई पूजा के पास में मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया गणेश सेठ द्वारा जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। वही दूसरा जुगार क्लब फड़के रोड पर भाजी मार्केट रघुकुलदीप सोसायटी मे रात दिन रतन सेठ द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त जुगार अड्डे में

श्री. एस बी गुंजाळ
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडळ-3)

ग्राहकों को खास ख्याल रखते हुए मदिरा एवं जोरू की भी व्यवस्था की जाती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल से स्थानीय डोंबीवली (रामनगर) पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल -3 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

ठाणे शहर !

स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार?

जुगार माफिया और ठाणे पुलिस की आंख मिचौली ?

आनंद बंगेरा का का सट्टा जुगार जोरो पर .. जुगार के अवैध धंधे में है स्थानीय पुलिस की हिस्सेदारी ?

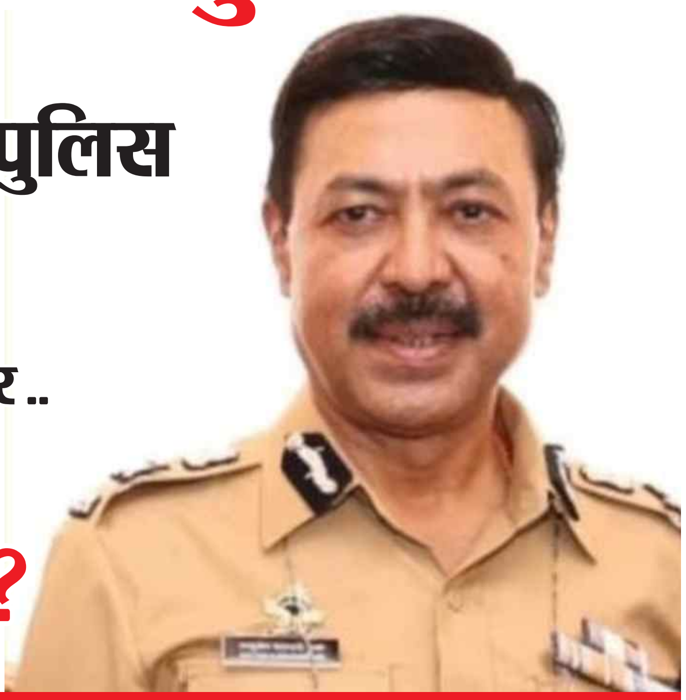

जनता पूछ रही है आखिर जुगार क्लब पर कब होगी कार्यवाई?

कलवा ठाणे। ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्यविमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। सट्टा, मटके और जुगार क्लब के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।

गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा सट्टा, मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के परिमंडल 01 के कलवा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मटका जुगार का धंधा पुलिस चौकी के नाक के सामने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया आनंद बंगेरा एवं रम्या तांडेल एवं उसकी टीम द्वारा जुगार का धंधा बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। यह जुगार का धंधा नेशनल होटल के पास कलवा नाका से पुणे मार्ग पर मटका जुगार का धंधा 20 से 25 राइटर के माध्यम से चलाया जाता है। इस जुगार के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी भी किया जाता है। जुगार माफिया एवं हिस्ट्रीशीटर रम्या तांडेल द्वारा खुलेआम चेलेंज देकर कहता है कि कलवा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों से हमारे संबंध अच्छे हैं, उसका कहना है कि एसीपी, डीसीपी, क्राइम ब्रांच से लेकर सीपी ऑफिस तक हप्ता देकर धंधा चलाता हूँ ? स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय कलवा पुलिस स्टेशन, पुलिस उपायुक्त परिमंडल 01 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है..? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

डायबिटीज की वजह से हो सकता है किडनी फेलियर

डायबिटीज कितनी खतरनाक बीमारी है, इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि यह आपके शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इसे कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। ब्लड शुगर लेवल कम न किया जाए, तो यह आपके शरीर के बाकी अंगों के साथ-साथ, आपकी किडनी को भी काफी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। अगर लंबे समय तक यह परेशानी रह जाए तो डायबिटीक नेफ्रोपैथी की समस्या हो सकती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को अपनी किडनी का खास ख्याल रखना चाहिए.डायबिटीड नेफ्रोपेथी को डायबिटीज रिलेटेड किडनी डिजीज भी कहते हैं। डायबिटीज कंट्रोल न होने की वजह से होने वाली इस बीमारी में, किडनी के नेफरोन डैमेज होने लगते हैं और आपकी किडनी बेहतर तरीके से टॉक्सिन्स को फिल्टर नहीं कर पाती। इस कारण से शरीर में टॉक्सिन इकट्ठा होने लगते हैं। डायबिटीक नेफ्रोपेथी इतनी गंभीर कंडिशन है कि यह धीरे-धीरे आपकी किडनी के नेफरॉन को प्रभावित करती है, जो आगे चलकर किडनी फेलियर का कारण भी बन सकती है। हालांकि, कुछ सावधानियों को ध्यान में रखकर इसके खतरे को कम किया जा सकता है। डायबिटीज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की कोशिश करें। ये दोनों इसके

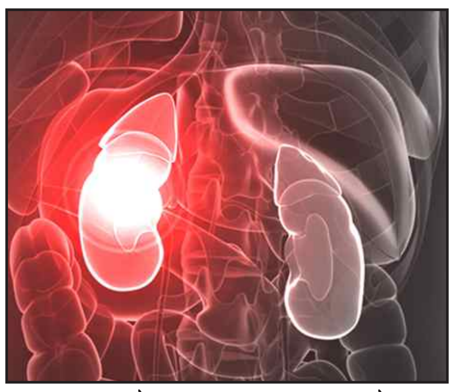

प्रमुख कारण हैं। इसलिए डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का इलाज करवाएं और कोशिश करें कि ये नियंत्रित रहें। अपने खाने में सोडियम, प्रोटीन और पोटेशियम की मात्रा को नियंत्रित करें। शरीर में इनकी मात्रा अधिक होने की वजह से आपकी किडनी पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे नेफरोन डैमेज हो सकते हैं। स्मोक करने से आपकी किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए स्मोकिंग न करें। रोज एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज करने से आपका वजन कम रहेगा जिससे डायबिटीज की वजह से होने वाली परेशानियां कम होती हैं और आपकी किडनी पर भी कम प्रभाव पड़ता है।

कई बीमारियों को जड़ से खत्म कर देगा अंकुरित मूंग?

दिनभर की थकान मिटाने के लिए जब आप रात में सोते हैं, तो पाचन तंत्र भी अपना काम खत्म कर पेट को खाली कर देता है, साथ ही हमारे शरीर में बहुत सारे सेल्स बनते बिगड़ते भी हैं, इसलिए खाली पेट हेल्दी चीजें खाने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि अच्छी सेहत के लिए सुबह का नाश्ता काफी जरूरी होता है। ऐसे में अंकुरित मूंग ब्रेकफास्ट के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ये फाइबर, एमिनो एसिड, एंटीऑक्सीडेंट का बहुत अच्छा सोर्स हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। इतना ही नहीं इसमें प्रोटियोलिटिक एंजाइम भी पाए जाते हैं।

इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है- एंटीऑक्सीडेंट, क्लोरोफिल और विटामिन-सी से भरपूर अंकुरित मूंग खाने से रोग प्रतिरोधत क्षमता बढ़ती है। यह शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है।

पाचनतंत्र को मजबूत बनाए- फाइबर युक्त अंकुरित मूंग पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। एसिडिटी,खट्टे डकार आदि पाचन संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है। साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है।

स्किन के लिए लाभकारी- अगर आप नाश्ते में अंकुरित मूंग रोजाना खाते हैं, तो इससे आपकी स्किन स्वस्थ रहती है, जिससे आप जवां नजर आएंगे।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार- अंकुरित मूंग में विटामिन-ए पाया जाता है। जो आंखों के लिए फायदेमंद है। इसे डेली डाइट में खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है- अंकुरित मूंग खाने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इसे खाने से ब्लड क्लॉटिंग की समस्या दूर होती है।

एनीमिया की समस्या को दूर करे- अंकुरित मूंग में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। इसे खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाती है, जिससे एनीमिया की समस्या को मात दे सकते हैं।

बढ़ती उम्र बढ़ा सकती है अल्जाइमर का खतरा

बढ़ती उम्र के साथ हमारे शरीर में कई बदलाव आते हैं। एक तरफ हम बढ़ती उम्र के साथ मैच्योर होते हैं ज्यादा अनुभवी होते हैं वहीं दूसरी तरफ हमारा शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। बढ़ती उम्र का प्रभाव हमारे दिमाग पर भी पड़ता है जिस कारण से आप आसानी से अल्जाइमर का शिकार हो सकते हैं। हालांकि, अल्जाइमर नहीं होगा इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। लेकिन कुछ बातों का ख्याल रख, इसके खतरे को कम जरूर किया जा सकता है। इन छोटी छोटी आदतों से बढ़ती उम्र में आपके दिमाग को हेल्दी रखने में काफी मदद मिल सकती है।

हेल्दी डाइट खाएं- हेल्दी डाइट न केवल आपके शरीर में पोषक तत्वों को पूरा करता है बल्कि यह आपके दिमाग को भी स्वस्थ रखने में मददगार हो सकता है। हाल ही में, एक स्टडी आई है जिसमें पाया गया है कि गुड फैट्स और प्लांट बेस्ड डाइट को अपनी डाइट का हिस्सा बना कर अल्जाइमर से बचा जा सकता है। इसके अलावा, अपनी डाइट से एक्स्ट्रा प्रोसेस्ड फूड और पॉली सैचुरेटेड फैट्स को बाहर कर दें। ये आपके दिमाग की सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकते हैं।

शारीरिक एक्टिविटी करें- एक्सरसाइज या घर के कामों की मदद से, आप शारीरिक तौर पर एक्टिव रह सकते हैं। ब्रिस्क वॉक रनिंग या दूसरी कोई एरोबिक एक्सरसाइज आपके दिमाग के लिए खासकर लाभदायक हो सकती है। एक्सरसाइज करने से आपकी याददाश्त भी बेहतर होती है। साथ ही, दिमाग का ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है। इसलिए रोज किसी न किसी तरीके से फिजिकल एक्टिविटी करें। इसके विपरीत, बहुत देर तक एक ही जगह बैठे रहने से, एक्सरसाइज आदि न करने से अल्जाइमर का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है।

नींद पूरी करें- नींद पूरी करना न केवल आपके दिमाग के लिए, बल्कि पूरी सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। सोते समय हमारा दिमाग मेमरी को स्टोर करता है जिससे याददाश्त मजबूत होती है। इसलिए रोज कम से कम 7-8 घंटे की लगातार नींद लेने की कोशिश करें। दिमाग को एक्टिव रखने के लिए आप कई तरह के पजल ब्रेन टीजर कोई नई स्किल सीख सकते हैं।

इम्यून सिस्टम को कमजोर बनाती हैं ये आदतें

हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए हमारी इम्यूनिटी का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इम्यूनिटी हमारी बॉडी का डिफेंस सिस्टम होती है। इसके कमजोर होने की वजह से हम कई बीमारियों का आसानी से शिकार बन सकते हैं। इसलिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बहुत जरूरी है। लेकिन, अगर आप आसानी से बीमार हो जाते हैं, तो हो सकता है कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर हो रहा है। हालांकि, कई ऐसे फैक्टर्स हैं जो आपकी इम्यूनिटी को कमजोर बनाते हैं। इसलिए इनसे बचाव करना जरूरी है। लेकिन वे फैक्टर्स हैं क्या, जो आपके इम्यून सिस्टम के दुश्मन साबित हो सकते हैं।

असंतुलित आहार- खाने में पोषक तत्वों की कमी की वजह से हमारी इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। मजबूत इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में सभी जरूरी विटामिन, मिनरल, एंटी-ऑक्सिडेंट्स और फाइबर आदि को शामिल करें। इसके अलावा, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स को अपनी डाइट से बाहर करें। इनकी वजह से ऑक्सिडेटिव डैमेज होता है जो आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर बना सकती है। इसलिए अपने खान-पान में हरी सब्जियां, फल दूध दही साबुत अनाज आदि को शामिल करें।

विटामिन-डी की कमी- विटामिन-डी की कमी अक्सर कई लोगों में देखने को मिल जाती है। इसकी सबसे बड़ी वजह है, सूरज की रोशनी में बिल्कुल समय न बिताना। हम आमतौर पर धूप में जाने से परहेज करते हैं जिस वजह से हमारे शरीर को पर्याप्त मात्रा में सूरज की रोशनी नहीं मिलती और हमारा शरीर विटामिन-डी नहीं बना पाता है।

ख़ुशियों में रुकावट बन सकती है डोपामाइन की कमी

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि कभी-कभी आपका ऑफिस जाने का बिल्कुल मन नहीं करता या आपका कहीं जाने का मन नहीं करता या यूं कहें कि आपको ब्लू फील हो रहा होता है। इसका कारण हो सकता है कि आपका डोपामिन लेवल कम हो गया हो। लेकिन, डोपामिन का स्तर कम होने की वजह से हमारा मूड इतना डाउन क्यों महसूस होता है। आइए जानते हैं कैसे डोपामाइन जुड़ा है आपकी खुशियों से और कैसे इसके स्तर को बढ़ा सकते हैं?

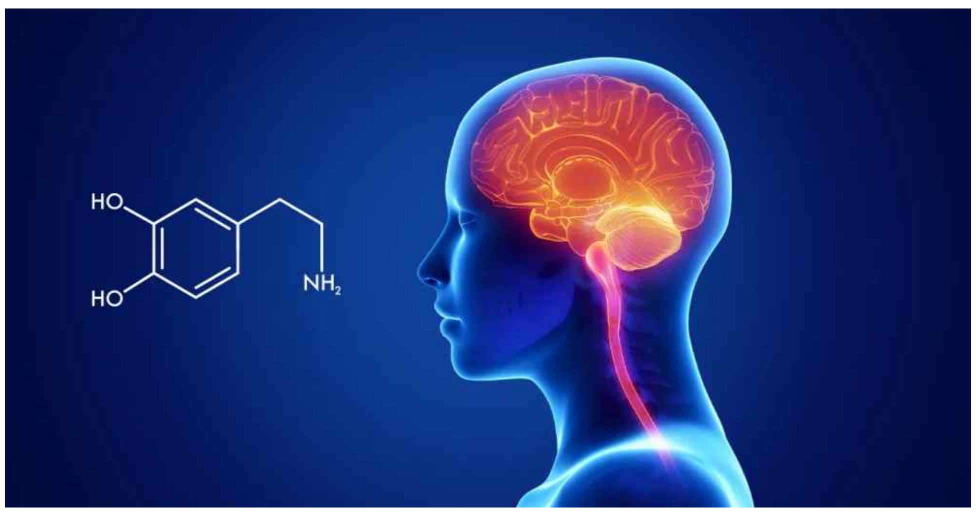

क्या है डोपामाइन?

डोपामाइन को आप हैप्पी हार्मोन कह सकते हैं। इस हार्मोन की मदद से आपके दिमाग और शरीर के बाकी अंगों कर संदेश का आदान-प्रदान होता है। यह आमतौर पर रिवॉर्ड याददाश्त कुछ सीखने मोटीवेशन से जुड़ी भावनाओं के लिए जिम्मेदार होता है। जब आपके शरीर में डोपामाइन का स्तर बढ़ता है तो आपको अच्छा महसूस होता है आप ज्यादा प्रोत्साहित और खुश महसूस करते हैं। वही जब इसकी मात्रा शरीर में कम होती है तो आप दुखी और कम उत्साहित नजर आते हैं। इसकी वजह से आपको ब्रेन फॉग आदि की समस्या भी हो सकती है।

कैसे बढ़ा सकते हैं डोपामाइन का लेवल?

डोपामाइन को कई प्राकृतिक तरीकों से बढ़ाया जा सकता है। कई ऐसी एक्टिविटिज होती हैं, जिन्हें करने से आपका दिमाग डोपामाइन रिलीज करता है और आप बेहतर महसूस करते हैं। चलिए जानते हैं ये कौन-कौन सी एक्टिविटिज हो सकती हैं।

एक्सरसाइज करें- एक्सरसाइज करने से आपका दिमाग आपको पुरस्कार देने के लिए डोपामाइन रिलीज करता है, जिस वजह से एक्सरसाइज करने के बाद आप बेहतर महसूस करते हैं। इसलिए रोज थोड़ी देर एक्सरसाइज करना आपके डोपामाइन लेवल को बढ़ा सकता है और आप बेहतर महसूस करेंगे।

पेट के साथ समय बिताएं- आपने इस बात पर गौर किया होगा कि जब आप अपने पेट के साथ समय बिताते हैं, तो आपका मूड पहले से बेहतर हो जाता है और आप कम थका हुआ महसूस करते हैं। इसलिए अगर आपके पास कोई पेट है तो रोज थोड़ी देर उनके साथ समय बिताएं। इससे आपका डोपामाइन लेवल बढ़ाने में मदद मिलेगी।

धूप में थोड़ा समय बिताएं- धूप में समय बिताने से आपकी बॉडी को विटामिन-डी मिलता है जो आपकी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है और डोपामाइन लेवल भी बढ़ सकता है।

प्रोटीन से भरपूर खाना- प्रोटीन में पाया जाने वाला टायरोसिन एक एमीनो एसिड है जो डोपामाइन बनाने में आपकी मदद करता है। इसके लिए आप अंडा,दूध मछली अवाकाडो पत्तेदार सब्जियां आदि को अपनी डाइट का हिस्सा बनाने से डोपामाइन का स्तर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है।

हींग : सर्दी-जुकाम का रामबाण इलाज

खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद है। अक्सर लोग तड़का में इसका इस्तेमाल करते हैं। हींग पेट से जुड़ी कई समस्याओं से लड़ने में कारगर माना जाता है। इसके साथ ही कई बीमारियों से लड़ने में भी फायदेमंद है। हींग असल में फेरूला फोइटिडा नाम के पौधे का रस होता है जिसे सुखाकर बनाया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं।

पाचन दुरुस्त रखे- जिन लोगों के अक्सर पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, गैस आदि होती हैं, उनके लिए हींग रामबाण है। ऐसे में लोगों को हींग का पानी पीने से काफी फायदा हो सकता है।

सर्दी-खांसी दूर करने में मददगार- मौसम में बदलाव होने के कारण होने के कारण सर्दी-खांसी, कफ से राहत दिलाने में भी हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए पानी में हींग डालकर इसका गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें और इसे छाती पर मालिश करने से कफ से राहत मिलती है।

ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करे- हींग का रोजाना सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। आप इसे पानी के साथ खा सकते हैं।

सूजन से राहत- हींग में एंटी इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में होने वाली सूजन को कम करने में सहायता पहुंचाता है। इससे गठिया के मरीजों को काफी फायदा हो सकता है।

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद- हींग का सेवन करने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसमें मौजूद कंपाउंड दिल की बीमारी से भी शरीर की रक्षा करते हैं।

पीरियड्स के दर्द से आराम दिलाए- पीरियड्स को दौरान होने वाले दर्द और ऐंठन से भी हींग राहत दिलाता है।

घर के मंदिर में जरूर होनी चाहिए ये जरूरी सामग्रियां इनके होने से मिलेगा पूजा का दुगना फल

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व होता है और पूजा-पाठ से जुड़े कई नियम भी होते हैं। सभी घरों में पूजा के लिए मंदिर या फिर एक विशेष स्थान होता है, जहां देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। यह स्थान घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। किसी भी देवी-देवता की पूजा के लिए विशेष सामग्रियों की आवश्यकता होती है। क्योंकि पूजा सामग्रियों के बिना कोई भी पूजा अधूरी मानी जाती है। किसी पूजा में बहुत ज्यादा सामग्रियों की आवश्यकता होती है तो कुछ पूजा में जल, तिलक, फूल और फल जैसी चीजों की ही जरूरत पड़ती है। लेकिन अगर आपके घर में मंदिर है या विशेष पूजा स्थान है तो इसमें पूजा से जुड़े कुछ जरूरी सामग्रियों का होना बहुत जरूरी होता है। इसलिए इस बात का खास ध्यान रखें कि पूजा घर में ये पूजा सामग्रियां अवश्य हों। इन शुभ व पवित्र सामग्रियों के होने से भगवान का आशीर्वाद बना रहता है।

पूजा घर पर जरूर रखें ये सामग्रियां-

मोरपंख- पूजा घर में मोर का पंख जरूर रखें। दरअसल हिंदू धर्म के साथ वास्तु में भी मोर पंख का काफी महत्व होता है। इसे रखने से भगवान कृष्ण की कृपा बरसती है। क्योंकि भगवान कृष्ण को मोर पंख अतिप्रिय है। साथ ही मोर पंख रखने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा भी आती है।

शालिग्राम- घर के पूजा स्थल में शालिग्राम जरूर रखें। शालिग्राम को भगवान विष्णु का रूप माना गया है। शालिग्राम रखने से मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का आशीर्वाद बना रहता है।

चंदन- चंदन की एक बड़ी और सिल्ली पूजा के स्थान पर जरूर रखें। प्रतिदिन पूजा में चंदन से भगवान शिव और शालिग्राम पर तिलक करना चाहिए। इसके अलावा पूजा के बाद अपने माथे पर भी चंदन का तिलक करें। चंदन का तिलक मस्तिष्क को शांत रखता है।

अक्षत- अक्षत यानी चावल को भी पूजा के मंदिर में रखना चाहिए। रसोई घर के अलावा पूजा घर में भी चावल कभी खाली नहीं होना चाहिए। भगवान को पूजा में अक्षत चढ़ाने से वैभव की प्राप्ति होती है।

हल्दी- धार्मिक दृष्टिकोण से हल्दी को काफी शुभ माना जाता है। इसलिए पूजा घर में हल्दी की गांठ या हल्दी का चूरा जरूर रखें।

धूप व दीपक- धूप अगरबत्ती और दीपक के बिना कोई भी पूजा पूरी नहीं मानी जाती है। पूजा से पहले दीपक जलाया जाता है और पूजा के आखिर में आरती की जाती है। इसलिए पूजा घर में मिट्टी या किसी धातु का दीपक, माचिस, अगरबत्ती, धूप व कपूर जैसी चीजें जरूर रखें।

पूजा की अन्य सामग्रियों में आप पूजा घर में चांदी का सिक्का घंटी दक्षिणावर्ती शंख गंगाजल धार्मिक पुस्तकें कलश कौड़ी और नैवेद्य जैसी शुभ और पवित्र चीजें जरूर रखें। इससे भगवान का आशीर्वाद बना रहेगा और घर पर कभी भी धन-संपत्ति की कमी नहीं होगी।

नकारात्मक ऊर्जा होने पर मिलते हैं ये संकेत

वास्तु शास्त्र हिंदू प्रणाली में सबसे पुराने विज्ञानों में से एक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मौजूद हर बड़ी से लेकर छोटी वस्तु का असर व्यक्ति के जीवन पर भी पड़ता है। वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से आप नकारात्मक ऊर्जा को घर से दूर भगा सकते हैं।

यदि घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो तो व्यक्ति को स्वास्थ्य से लेकर धन संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। घर में नकारात्मक ऊर्जा होने पर व्यक्ति को कई तरह के संकेत मिलते हैं। साथ ही इससे मुक्ति पाने के कुछ उपाय भी बताए गए हैं। आइए जानते हैं नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति पाने के सरल उपाय। जब आपको अपने घर में ये संकेत मिलने लगे तो समझना चाहिए कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास है। जब परिवार में कोई सदस्य पुरानी स्वास्थ्य समस्या से परेशान हो। काम अटक जाना या फिर अच्छे अवसर बार-बार छिन जाना। बार-बार नकारात्मक विचार आना। परिवार में गृह क्लेश की स्थिति बने रहना। कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ न लगना आदि कुछ ऐसे संकेत हैं जो नकारात्मक ऊर्जा की ओर संकेत करते हैं। भारतीय संस्कृत में सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करने के लिए और घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए अगरबत्ती जलाना बहुत शुभ माना जाता है। साथ ही इससे वातावरण भी अच्छा बना रहता है। इसके साथ ही आप सुगंधित चीजों का भी प्रयोग कर सकते हैं। घर में भगवान की मूर्तियां या तस्वीर जैसी धार्मिक वस्तुएं रखने से सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है। इसके अलावा घंटी और शंख की ध्वनि भी घर के लिए शुभ मानी जाती हैं। इन ध्वनियों से सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। सूर्य का प्रकाश सकारात्मक ऊर्जा का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है। कमरे में जितनी प्राकृतिक रोशनी होगी सकारात्मक ऊर्जा का वास भी उतना ही अधिक होगा।

इसलिए घर के अंदर ताजी हवा और सूर्य के प्रकाश को आने देना चाहिए। शास्त्रों में गया है कि जिस घर में सफाई होती है उसी घर में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर और प्रवेश द्वार को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। क्योंकि मुख्य द्वार से सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। इसलिए घर की नियमित रूप से सफाई जरूर करें।

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST

SHREE SAI CLINIC

Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30

Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH,
Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

मानवाधिकार फाउंडेशन

मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)

कानूनी सलाह एवं कानूनी
निपटारे के लिए संपर्क करें

09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

TASK PROTECTION FORCE

सुरक्षा कंपनी में भर्ती के लिए
तत्काल संपर्क करे

सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाईजर, ड्राइवर, बाउंसर, स्वीपर एवं
अन्य कार्य के लिए पासपोर्ट साइज के 07 फोटो, आधार कार्ड,
लिविंग सर्टिफिकेट, अनुभव सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करे ..

Mob. 8850869519 / 9321445870

संपर्क कार्यालय : 09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदारवाड़ी मेन रोड नं. 01,
(लिबर्टी गार्डेन रोड), मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064